Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
Autonomous

Accredited by NAAC with Grade 'A' (CGPA Score 3.41 on a 4 Point Scale)
Best Affiliated College-Goa University Silver Jubilee Year Award

F. 133C/23

30/03/2022

To,
All the Members of Board of Studies in Hindi

Sub: Minutes of the meeting of the Board of Studies in Hindi held on 17th March 2022

Sir/Madam

I am forwarding the minutes of the meeting of the Board of Studies in Hindi held on 15th March 2022 virtually by Google meet. If no exception is taken by any member who was present at the meeting to the correctness of the minutes of the meeting, within 5 days of receipt of the minutes, they shall be deemed to be correct and accepted.

Yours faithfully,

Alka Gawas
Chairperson

Encl: 1) Minutes of the meeting.

2) Course Structure and Syllabi.

Parvatibai Chowgule College of Arts & Science (Autonomous) MARGAO GOA

P.O. Fatorda, Gogol-Margao, Goa 403602, Phone:0832-2722222, Fax:0832 2759067, Email: principal@chowgules.ac.in

Parvatibai Chowgule College of arts and science (Autonomous)

Margao-Goa

MINUTES OF MEETING OF THE BOARD OF STUDIES IN HINDI

HELD ON 17th March 2022 AT 10:00 AM

Vide Chowgule College notice (F133C/1586 dated 4th March, 2022) a meeting of this BOS was convened on 17th March 2022, at 10.00 am through Google Meet in Parvatibai Chowgule College of Arts and Science, Margao-Goa. Since the number of members of persent represented the Quorum, the BOS began its proceedings.

Minutes are presented in the format.

Members present:

1. Ms. Alka Gawas - Chairperson
2. Dr. Brijpal Singh Gahloth - Academic Council Nominee
3. Mr. Sandeep Lotlikar - Academic Council Nominee
4. Dr. Soniya Sirsat - Vice-Chancellor Nominee, Goa University
5. Shri. Satish Dhuri - Industry Representative
6. Mr. Akbarali Shaikh - Alumni
7. Dr. Rishikesh Mishra - Member Secretary
8. Mr. Pradeep Jatal - Member
9. Ms. Priyanka Velip - Member
10. Ms. Shambhavi Naik - Member
11. Ms. Darshan Talwadker - Member
12. Ms. Sachi Naik - Member

Proceedings:

The Chairman welcomed the members of the board of studies (BOS) the Chairman introduced and explained the agenda for the meeting and Board transacted the following business.

Agenda Items

- To revise the course syllabus for under graduate BA in Hindi.
- To revise course learning outcome in the view of course outcome attainment.
- To suggest latest reference books for various courses.
- A.O.B.

MINUTES OF MEETING OF THE BOARD OF STUDIES IN HINDI HELD ON 15th MARCH 2022 AT 10:00 A.M.

PART A: Resolution:-

1. **To revise the course syllabus of BA in Hindi.**

सर्वप्रथम बी. ए. का पाठ्यक्रम चर्चा के लिए बी.ओ.एस. के सामने प्रस्तुत किया गया, जिस पर चर्चा करते हुए उपस्थित सदस्यों द्वारा महत्त्वपूर्ण सुझाव देकर कुछ कोर्सेस के पाठ्यक्रम के अंतर्गत परिवर्तन किए गए। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। जो निमन्वत है।

SEMESTER -I

1. 1 'हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन' HIN- I.C-1 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई एक से प्रेमचंद जी द्वारा रचित 'बड़े भाई साहब' कहानी को निकालकर प्रेमचंद जी की 'दो बैलों की कथा' कहानी को रखने का सुझाव दिया गया।

   इकाई तीन में भीष्म साहनी रचित चीफ की दावत कहानी के स्थान पर सुदर्शन जी की हार की जीत रखने का निर्णय लिया गया। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

SEMESTER -III

1.2 'हिन्दी महिला लेखन' HIN-III E-3 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई दो में से उषा प्रियंवदा की 'वापसी' कहानी के स्थान पर उषा किरण खान जी की 'नीलकंठ' कहानी को रखने का सुझाव दिया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

SEMESTER -V

1.3 'विशेष अध्ययन : हिन्दी उपन्यास' इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई दो में से मुंशी प्रेमचंद जी के 'निर्मला' उपन्यास के स्थान पर भैरवप्रसाद गुप्त जी का 'गंगा मैया' उपन्यास रखने का सुझाव दिया गया। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

2 To revise course learning outcome in the view of course outcome attainment.

2.1 पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सभी कोर्स के 5 CLO'S की संख्या को कम कर 4 बना दिए गए। जो निमन्वत है। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।

Sr. No.	Course Code	Course Title	Old Course Outcomes	New Course Outcomes
1	HIN-I.C-1	हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन	1) कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। 2) हिन्दी कहानी एवं कहानीकारों की जानकारी प्राप्त होगी। 3) कहानियों के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित एवं प्रभावित होंगे। 4) उनमें आत्मविश्वास पैदा होगा और संघर्ष भावना निर्माण होगी। 5) व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन	1) कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। 2) हिन्दी कहानी एवं कहानीकारों की जानकारी प्राप्त होगी। 3) कहानियों के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित, प्रभावित तथा कहानी लेखन की और अग्रसर होंगे। 4) व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।

			में भी प्रवीण होंगे।	
2	HIN -I.C-2	हिन्दी कविता एवं काव्य सौंदर्य	1) विद्यार्थी मध्ययुगीन तथा आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी। 3) विद्यार्थी काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे। 4) विद्यार्थियों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी। 5) काव्यसौंदर्य में अलंकार, छंद एवं समास का ज्ञान प्राप्त होगा।	1) विद्यार्थी मध्ययुगीन तथा आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी। 3) विद्यार्थीयों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी तथा काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे। 4) काव्यसौंदर्य में अलंकार, छंद एवं समास का ज्ञान प्राप्त होगा।
3	HIN-II.C-3	हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म	1) विद्यार्थी नाट्य परंपरा एवं नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। 2) 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नई' नाटक एवं नाटककार असगर वजाहत के रचना संसार से परिचित होंगे और विद्यार्थियों को सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थियों में अभिनय कौशल के प्रति अभिरुचि पैदा	1) विद्यार्थी नाट्य परंपरा एवं नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। 2) 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नई' नाटक एवं नाटककार असगर वजाहत के रचना संसार से परिचित होंगे और विद्यार्थियों को सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थियों में अभिनय कौशल के प्रति अभिरुचि पैदा

			होगी। 4) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे। 5) वृत्तचित्र एवं फीचर फ़िल्म में अंतर करने में सक्षम होंगे।	होगी। 4) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष तथा उसके अंतर को समझने में सक्षम होंगे।
4	HIN -II.C-4	हास्य -व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता	1) विद्यार्थी निबंध विधा से परिचित होंगे। 2) हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे। 3) हास्य-व्यंग्य निबंध एवं निबंधकारों से अवगत होंगे। 4) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे। 5) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व समझेंगे।	1) विद्यार्थी निबंध विधा से परिचित होकर हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे। 2) हास्य-व्यंग्य निबंध एवं निबंधकारों से अवगत होंगे। 3) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे। 4) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व समझेंगे।
5	FC-HIN.1	व्यावहारिक हिन्दी	1) विद्यार्थी व्यावहारिक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे। 2) विविध क्षेत्रों में व्यावहारिक हिन्दी के प्रयोग से परिचित होंगे। 3) कार्यालयीन पत्राचार से परिचित होंगे। 4) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे। 5) विद्यार्थियों में मानक वर्तनी लेखन की क्षमता	1) विद्यार्थी व्यावहारिक हिन्दी का परिचय और उसके विविध क्षेत्रों से परिचित होंगे। 2) कार्यालयीन पत्राचार से परिचित होंगे। 3) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे। 4) विद्यार्थियों में मानक वर्तनी लेखन की क्षमता विकसित होगी।

			विकसित होगी।	
6	FC-HIN.2	भाषा कौशल	1) भाषण-कला विकसित होगी। 2) श्रवण-क्षमता का विकास होगा। 3) वाचन-कौशल निर्माण होगा। 4) लेखन-कला विकसित होगी। 5) हिन्दी भाषा के व्यवहार में दक्ष होंगे।	1) भाषण-कला विकसित होगी। 2) श्रवण-क्षमता का विकास होगा। 3) वाचन-कौशल निर्माण होगा। 4) लेखन-कला के साथ हिन्दी भाषा के व्यवहार में दक्ष होंगे।
7	HIN-III C-5	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्ति काल एवं रीतिकाल)	1) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। 2) हिन्दी साहित्य के कालविभाजन से अवगत होंगे। 3) भक्ति आंदोलन के पृष्ठभूमि एवं परिवेश से परिचित होंगे। 4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा। 5) प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं परिचय प्राप्त होगा।	1) हिन्दी साहित्य के कालविभाजन से अवगत होंगे तथा काव्य धाराओं का परिचय प्राप्त होगा। 2) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। 3) भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि, परिवेश तथा काव्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। 4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
8	HIN-III E-1	प्रयोजनमूलक हिन्दी:अनुवाद एवं पत्रलेखन	1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे। 2) राजभाषा संबंधी प्रमुख	1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय तथा रोजगार के अवसरों से परिचित होंगे।

			प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) अनुवाद के प्रकारों से अवगत होंगे। 4) अनुवाद कला में निपुण होंगे। 5) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में सक्षम होंगे।	2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) अनुवाद के स्वरूप, प्रकारों एवं अनुवाद कला में निपुण होंगे। 4) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में सक्षम होंगे।
9	HIN-III E-2	मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)	1) सगुण भक्ति काव्य परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत होंगे। 2) सगुण एवं निर्गुण काव्य से परिचित होंगे। 3) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित होंगे। 4) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझेंगे। 5) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझेंगे।	1) सगुण भक्ति काव्य एवं निर्गुण भक्ति परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत होंगे। 2) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित होंगे। 3) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझेंगे। 4) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझेंगे।
10	HIN-III E-3	हिन्दी महिला लेखन	1) महिला लेखन की अवधारणा एवं स्वरूप को समझेंगे। 2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे। 3) परंपरागत साहित्य लेखन	1) महिला लेखन की अवधारणा एवं स्वरूप को समझेंगे। 2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे तथा परंपरागत साहित्य लेखन एवं

			एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे। 4) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे। 5) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।	महिला लेखन के अंतर को समझेंगे। 3) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे। 4) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।
11	HIN-III E-4	हिन्दी दलित लेखन	1) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे। 2) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे। 3) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे। 4) दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे। 5) दलित लेखन के माध्यम से दलित विमर्श और उसकी की आवश्यकता को समझेंगे।	1) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे। 2) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे। 3) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे। 4) दलित लेखन के माध्यम से दलित विमर्श तथा दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझेंगे।
12	HIN-IV.C-6	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के परिवेश एवं परिस्थितियों से परिचित होंगे। 2) आधुनिक काल के काल विभाजन का ज्ञान प्राप्त होगा। 3) आधुनिक काल की काव्य	1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के काल विभाजन, परिवेश एवं परिस्थितियों से परिचित होंगे। 2) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। 3) हिंदी कहानी एवं उपन्यास

			प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। 4) हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे। 5) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम से परिचित होंगे।	के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे। 4) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम को समझेंगे।
13	HIN-IV.E-5	हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक	1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे। 2) पत्रकारिता के विविध प्रकारों को समझेंगे। 3) पत्रकार के गुण एवं पत्रकारिता संबंधी कानून का ज्ञान होगा। 4) मुद्रित पत्रकारिता का परिचय प्राप्त होगा। 5) इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता में रेडियो, टेलीविजन एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।	1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे। 2) पत्रकारिता के विविध प्रकारों, पत्रकार के गुण एवं पत्रकारिता संबंधी कानून का ज्ञान होगा। 3) मुद्रित पत्रकारिता का परिचय प्राप्त होगा। 4) इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता में रेडियो, टेलीविजन एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।
14	HIN-IV.E-6	विशेष अध्ययन:सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	1) विद्यार्थी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थी छायावादी काव्य में निराला के प्रदेय से अवगत होंगे। 3) काव्येतर विधाओं में निराला के योगदान को	1) विद्यार्थी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थी छायावादी काव्य में निराला के प्रदेय से अवगत होंगे। 3) काव्येतर विधाओं में निराला के योगदान को

			समझेंगे। 4) निराला की कविताओं का अर्थ एवं प्रासंगिकता से अवगत होंगे। 5) निराला के साहित्य में प्रगतिशील अवधारणा को समझेंगे।	समझेंगे। 4) निराला की कविताओं का अर्थ एवं प्रासंगिकता तथा उनके साहित्य में प्रगतिशील अवधारणा से अवगत होंगे।
15	HIN-IV.E-7	विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी	1) हिन्दी कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप समझेंगे। 2) हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे। 3) प्रेमचंद की कहानी कला परिचित होंगे। 4) फणीश्वर रेणु की कहानियों की आंचलिकता से परिचित होंगे। 5) हिन्दी कहानी में सूर्यबाला के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।	1) हिन्दी कहानी की अवधारणा, स्वरूप एवं उसके विकासयात्रा को समझेंगे। 2) प्रेमचंद की कहानी कला से अवगत होंगे। 3) फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियों की आंचलिकता से परिचित होंगे। 4) हिन्दी कहानी में सूर्यबाला के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।
16	HIN-IV.E-8	हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी एवं उपन्यास)	1) विद्यार्थी साहित्य के आस्वादन की कला से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थी शोध एवं समीक्षा प्रक्रिया से अवगत होंगे। 3) कविता के आस्वादन एवं काव्य-समीक्षा के तत्त्वों से परिचित होंगे। 4) कहानी एवं उपन्यास की समीक्षा के विविध आधारों से	1) विद्यार्थी साहित्य के आस्वादन की कला से परिचित होकर शोध एवं समीक्षा प्रक्रिया से अवगत होंगे। 2) कविता के आस्वादन एवं काव्य-समीक्षा के तत्त्वों से परिचित होंगे। 3) कहानी एवं उपन्यास की समीक्षा के विविध आधारों से

			अवगत होंगे। 5) शोध सामग्री का संकलन एवं विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।	अवगत होंगे। 4) शोध सामग्री का संकलन एवं विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।
17	HIN-V.C-7	भारतीय काव्यशास्त्र	1) काव्य की अवधारणा एवं लक्षणों से अवगत होंगे। 2) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 3) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। 4) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे। 5) भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।	1) काव्य की अवधारणा एवं लक्षणों से अवगत होंगे। 2) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा और भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे। 3) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। 4) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे।
18	HIN-V.E-9	कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र संस्मरण,यात्रावृत्त, आत्मकथा एवं जीवनी (किसी विधाकी एक पाठ्य पुस्तक)	1) विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे। 2) रेखाचित्र, संस्मरण लेखन के मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) साहित्य यात्रावृत्त का महत्व एवं आवश्यकता को समझेंगे। 4) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे। 5) रेखाचित्र विधा के विकास	1) विद्यार्थी कथेतर गद्य विधाओं से परिचित होंगे। 2) रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रावृतांत का विकासक्रम, अंतर, महत्त्व एवं आवश्यकता से अवगत होंगे। 3) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे। 4) रेखाचित्र विधा के विकास में रामवृक्ष बेनीपुरी के योगदान से परिचित होंगे।

			में रामवृक्ष बेनीपुरी के योगदान से परिचित होंगे।	
19	HIN-V.E-10	विशेष अध्ययन:हिन्दी उपन्यास	1) उपन्यास के स्वरूप एवं तत्व तथा उपन्यास के विकासक्रम से परिचित होंगे। 2) 'निर्मला' उपन्यास के माध्यम से स्त्री जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे। 3) 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से उसकी की मूल संवेदना से परिचित होंगे। 4) विद्यार्थी 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से भूमंडलीकरण की अवधारणा से ज्ञात होंगे। 5) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।	1) उपन्यास के स्वरूप, तत्त्व एवं विकासक्रम से परिचित होंगे। 2) ग्रामीण परिवेश की विभिन्न परिस्थितियों के प्रति प्रति जागरूक होकर वहाँ की पारिवारिक, सामाजिक, राजनैतिक परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे। 3) 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से उसकीमूल संवेदना एवं भूमंडलीकरण की अवधारणा से परिचित होंगे। 5) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।
20	HIN-V.E-11	मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन	1) विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा। 2) रेडियो एवं टेलीविज़न पत्रकारिता से अवगत होंगे। 3) रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे। 4) विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा। 5) इलेक्ट्रोनिक मीडिया में	1) विद्यार्थी मीडिया लेखन के सिद्धांत, स्वरूप एवं महत्त्व को समझेंगे। 2) रेडियो एवं टेलीविज़न लेखन के सिद्धांत एवं प्रकारों से अवगत होंगे। 3) रेडियो एवं टेलीविज़न के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे। 4) रेडियो एवं टेलीविज़न लेखन के व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।

			रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।	
21	HIN-V.E-12	हिंदी नाटक	1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। 2) भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे। 3) अभिनय कौशल का विकास होगा। 4) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी। 5) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।	1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप, तत्त्व तथा नाट्य परंपरा से परिचित होंगे। 2) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी। 3) विद्यार्थी रचनाकार के मनोवैज्ञानिक संघर्ष से परिचित होंगे। 4) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।
22	HIN-VI.C-8	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी। 3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा को समझेंगे। 4) आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त एवं उसकी विविध प्रवृतियों को समझेंगे। 5) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।	1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा तथा पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी प्राप्त होगी। 2) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा को समझेंगे। 3) आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त एवं उसकी विविध प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त होगी। 4) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।
23	HIN-VI.E-13	हिंदी निबंध	1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप	1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप, तत्त्व, भेद तथा

			एवं तत्त्व को समझेंगे। 2) हिंदी निबंध के उद्‌भव एवं विकास की जानकारी होगी। 3) हिन्दी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों से अवगत होंगे। 4) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके मार्मिक निबंधों से परिचित होंगे। 5) निबंध लेखन की ओर प्रवृत्त होंगे।	विकासक्रम की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) हिन्दी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों से अवगत होंगे। 3) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके मार्मिक निबंधों से परिचित होंगे। 4) निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन कर सकेंगे तथा निबंध लेखन की ओर अग्रसर होंगे।
24	HIN-VI.E-14	भाषाविज्ञान	1) भाषा एवं भाषाविज्ञान की अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकारों की जानकारी प्राप्त होगी। 2) भाषाविज्ञान के अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे। 3) ध्वनि विज्ञान की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी। 4) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा। 5) अर्थविज्ञान में अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।	1) भाषा एवं भाषाविज्ञान की अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकारों तथा अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे। 2) ध्वनि विज्ञान की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी। 3) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा। 4) अर्थविज्ञान में अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।
25	HIN-VI.E-15	हिंदी भाषा, लिपि	1) विद्‌यार्थी हिन्दी भाषा की	1) विद्‌यार्थी हिन्दी भाषा की

		एवं व्याकरण	पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे। 2) देवनागरी लिपि का स्वरूप एवं नामकरण से परिचित होंगे। 3) देवनागरी लिपि विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा। 4) हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था एवं रूप-रचना से परिचित होंगे। 5) विकारी एवं अविकारी शब्दों से परिचित होंगे।	पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे। 2) देवनागरी लिपि का स्वरूप, नामकरण, विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा। 3) हिन्दी की वर्ण-रचना,विकारी एवं अविकारी शब्दों से का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। 4) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया के रूपान्तरण से अवगत होंगे।
26	HIN-VI.E-16	साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन	1) साहित्य तथा साहित्येतर ज्ञान की अन्य शाखाओं को समझ समझेंगे। 2) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे। 3) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे। 4) अन्य साहित्य का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे। 5) साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन करने में सक्षम होंगे।	1) साहित्य तथा साहित्येतर ज्ञान की अन्य शाखाओं को समझ समझेंगे। 2) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे। 3) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे। 4) अन्य साहित्य का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव तथा साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन करने में सक्षम होंगे।
27	HIN-III.SEC-1	हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)	1) पथनाट्य की अवधारणा और स्वरूप के साथ तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा।	1) पथनाट्य की अवधारणा और स्वरूप के साथ तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा।

			2) प्रमुख नुक्कड़ नाटकों की प्रासंगिकता से अवगत होंगे। 3) पथनाट्य प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे। 4) अभिनय के साथ-साथ अन्य कौशलों का भी विकास होगा। 5) पथनाट्य लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।	2) प्रमुख नुक्कड़ नाटकों की प्रासंगिकता से अवगत होंगे। 3) पथनाट्य लेखन एवं प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे। 4) अभिनय के साथ-साथ अन्य कौशलों का भी विकास होगा।
28	HIN-IV.SEC-2	हिन्दी एकांकी	1) एकांकी के विकास और रंगमंचीयता से परिचित होंगे। 2) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थी अभिनय,एवं संवाद कला में निपुण होंगे। 4) विद्यार्थी एकांकी प्रस्तुतीकरण में दक्षता प्राप्त करेंगे। 5) एकांकी का गहन अध्ययन करके एकांकी लेखनकला से परिचित होंगे।	1) एकांकी के विकास और रंगमंचीयता से परिचित होंगे। 2) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थी अभिनय, संवाद कला एवं एकांकी प्रस्तुतीकरण में निपुण होंगे। 4) एकांकी का गहन अध्ययन करके एकांकी लेखनकला से परिचित होंगे।

3 To suggest latest reference books for various courses.

3.1 पाठ्यक्रम में अतिरिक्त संदर्भ ग्रंथ सूची को रखा गया।

SYBA HIN-III C-5 हिन्दी साहित्य का इतिहास

1) रामकिशोर शर्मा, 'हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास,' लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2009

2) विजयेन्द्र स्नातक, 'हिन्दी साहित्य का इतिहास', साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2009

SYBA - Elective 1 प्रयोजनमूलक हिन्दी: अनुवाद एवं पत्रलेखन

1) डॉ. अजयप्रकाश, डॉ. रमेशवर्मा, डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी', समवेत रामबाग, कानपुर, 2005
2) डॉ. अनिल कुमार तिवारी, 'सरकारी कार्यालयों व बैंकों में प्रयोजनशील हिंदी', विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, 2004
3) प्रो. विराज एम. ए., 'प्रामाणिक आलेखनऔर टिप्पण', राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली, 1978
4) प्रा. विकासपाटिल, 'हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर', ए. बी. एस. पब्लिकेशन, वाराणसी, 2019
5) डॉ. सुरेश सिहल, 'अनुवाद, अवधारणा औरआयाम', संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006

SYBA - Elective 2 मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)

1) कल्याण सिंह शेखावत, 'मीरा ग्रंथावली भाग-1, 2', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2001
2) डॉ. सी.एल. प्रभात, 'मीरा जीवन और काव्य', राजस्थानी ग्रन्थगार, जोधपुर 1999
3) रघुवंश, 'जायसी एक नयी दृष्टि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
4) रघुवंश, 'कबीर एक नयी दृष्टि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
5) डॉ. विजय प्रकाश मिश्र, 'हिंदी के प्रतिनिधि कवि', विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2000

TYBA - HIN V- Elective 10 विशेष अध्ययन : हिन्दी उपन्यास

1) भैरव प्रसाद , 'गंगा मैया' लोकभारती प्रकाशन

TYBA HIN VI- Core 8 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1) डॉ. ब्रह्मदत्तशर्मा, 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त', लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019

4. A.O.B

एकेडमिक ऑडिट के अंतर्गत बी. ओ.एस के वी. सी नॉमिनी तथा ए. सी नोमिनी को सम्मिलित करने का निर्णय लिया गया।

PART B:

i. Important Points/ recommendations of BOS that require consideration / approval of Academic Council:

सर्वप्रथम बी. ए. का पाठ्यक्रम चर्चा के लिए बी.ओ.एस. के सामने प्रस्तुत किया गया, जिस पर चर्चा करते हुए उपस्थित सदस्यों द्वारा महत्त्वपूर्ण सुझाव देकर कुछ कोर्सेस के पाठ्यक्रम के अंतर्गत परिवर्तन किए गए। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। जो निमन्वत है।

SEMESTER -I

1.1 'हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन' HIN- I.C-1 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई एक से प्रेमचंद जी द्वारा रचित 'बड़े भाई साहब' को निकालकर प्रेमचंद जी की 'दो बैलों की कथा' कहानी को रखने का सुझाव दिया।
इकाई तीन में भीष्म साहनी रचित 'चीफ की दावत कहानी' के स्थान पर सुदर्शन जी की हार की जीत रखने का निर्णय लिया गया। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

SEMESTER -III

1.4 'हिन्दी महिला लेखन' HIN-III E-3 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई दो में से उषा प्रियंवदा की 'वापसी' कहानी के स्थान पर उषा किरण खान जी की 'नीलकंठ' कहानी को रखने का सुझाव दिया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

SEMESTER -V

1.5 'विशेष अध्ययन : हिन्दी उपन्यास' इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई दो में से मुंशी प्रेमचंद जी के 'निर्मला' उपन्यास के

स्थान पर भैरवप्रसाद गुप्त जी का 'गंगा मैया' उपन्यास रखने का सुझाव दिया गया। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

4 To revise course learning outcome in the view of course outcome attainment.

2.1 पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सभी कोर्स के 5 CLO'S की संख्या को कम कर 4 बना दिए गए। जो निमन्वत है। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।

Sr. No.	Course Code	Course Title	Old Course Outcomes	New Course Outcomes
1	HIN-I.C-1	हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन	1) कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। 2) हिन्दी कहानी एवं कहानीकारों की जानकारी प्राप्त होगी। 3) कहानियों के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित एवं प्रभावित होंगे। 4) उनमें आत्मविश्वास पैदा होगा और संघर्ष भावना निर्माण होगी। 5) व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।	1) कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। 2) हिन्दी कहानी एवं कहानीकारों की जानकारी प्राप्त होगी। 3) कहानियों के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित, प्रभावित तथा कहानी लेखन की और अग्रसर होंगे। 4) व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।
2	HIN -I.C-2	हिन्दी कविता एवं काव्य सौंदर्य	1) विद्यार्थी मध्ययुगीन तथा आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक	1) विद्यार्थी मध्ययुगीन तथा आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक

			क्षमता विकसित होगी। 3) विद्यार्थी काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे। 4) विद्यार्थियों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी। 5) काव्यसौंदर्य में अलंकार, छंद एवं समास का ज्ञान प्राप्त होगा।	क्षमता विकसित होगी। 3) विद्यार्थीयों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी तथा काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे। 4) काव्यसौंदर्य में अलंकार, छंद एवं समास का ज्ञान प्राप्त होगा।
3	HIN-II.C-3	हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म	1) विद्यार्थी नाट्य परंपरा एवं नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। 2) 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नई' नाटक एवं नाटककार असगर वजाहत के रचना संसार से परिचित होंगे और विद्यार्थियों को सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थियों में अभिनय कौशल के प्रति अभिरुचि पैदा होगी। 4) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे। 5) वृत्तचित्र एवं फीचर फ़िल्म में अंतर करने में सक्षम होंगे।	1) विद्यार्थी नाट्य परंपरा एवं नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। 2) 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नई' नाटक एवं नाटककार असगर वजाहत के रचना संसार से परिचित होंगे और विद्यार्थियों को सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थियों में अभिनय कौशल के प्रति अभिरुचि पैदा होगी। 4) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष तथा उसके अंतर को समझने में सक्षम होंगे।
4	HIN -II.C-4	हास्य -व्यंग्य	1) विद्यार्थी निबंध विधा से	1) विद्यार्थी निबंध विधा से

		निबंध एवं पत्रकारिता	परिचित होंगे। 2) हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे। 3) हास्य-व्यंग्य निबंध एवं निबंधकारों से अवगत होंगे। 4) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे। 5) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व समझेंगे।	परिचित होकर हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे। 2) हास्य-व्यंग्य निबंध एवं निबंधकारों से अवगत होंगे। 3) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे। 4) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व समझेंगे।
5	FC-HIN.1	व्यावहारिक हिन्दी	1) विद्यार्थी व्यावहारिक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे। 2) विविध क्षेत्रों में व्यावहारिक हिन्दी के प्रयोग से परिचित होंगे। 3) कार्यालयीन पत्राचार से परिचित होंगे। 4) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे। 5) विद्यार्थियों में मानक वर्तनी लेखन की क्षमता विकसित होगी।	1) विद्यार्थी व्यावहारिक हिन्दी का परिचय और उसके विविध क्षेत्रों से परिचित होंगे। 2) कार्यालयीन पत्राचार से परिचित होंगे। 3) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे। 4) विद्यार्थियों में मानक वर्तनी लेखन की क्षमता विकसित होगी।
6	FC-HIN.2	भाषा कौशल	1) भाषण-कला विकसित होगी। 2) श्रवण-क्षमता का विकास होगा। 3) वाचन-कौशल निर्माण होगा।	1) भाषण-कला विकसित होगी। 2) श्रवण-क्षमता का विकास होगा। 3) वाचन-कौशल निर्माण होगा।

			4) लेखन-कला विकसित होगी। 5) हिन्दी भाषा के व्यवहार में दक्ष होंगे।	4) लेखन-कला के साथ हिन्दी भाषा के व्यवहार में दक्ष होंगे।
7	HIN-III C-5	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्ति काल एवं रीतिकाल)	1) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। 2) हिन्दी साहित्य के कालविभाजन से अवगत होंगे। 3) भक्ति आंदोलन के पृष्ठभूमि एवं परिवेश से परिचित होंगे। 4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा। 5) प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं परिचय प्राप्त होगा।	1) हिन्दी साहित्य के कालविभाजन से अवगत होंगे तथा काव्य धाराओं का परिचय प्राप्त होगा। 2) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। 3) भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि, परिवेश तथा काव्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। 4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
8	HIN-III E-1	प्रयोजनमूलक हिन्दी:अनुवाद एवं पत्रलेखन	1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे। 2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) अनुवाद के प्रकारों से अवगत होंगे। 4) अनुवाद कला में निपुण होंगे। 5) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में	1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय तथा रोजगार के अवसरों से परिचित होंगे। 2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) अनुवाद के स्वरूप, प्रकारों एवं अनुवाद कला में निपुण होंगे। 4) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में

			सक्षम होंगे।	सक्षम होंगे।
9	HIN-III E-2	मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)	1) सगुण भक्ति काव्य परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत होंगे। 2) सगुण एवं निर्गुण काव्य से परिचित होंगे। 3) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित होंगे। 4) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझेंगे। 5) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझेंगे।	1) सगुण भक्ति काव्य एवं निर्गुण भक्ति परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत होंगे। 2) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित होंगे। 3) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझेंगे। 4) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझेंगे।
10	HIN-III E-3	हिन्दी महिला लेखन	1) महिला लेखन की अवधारणा एवं स्वरूप को समझेंगे। 2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे। 3) परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे। 4) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे। 5) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।	1) महिला लेखन की अवधारणा एवं स्वरूप को समझेंगे। 2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे तथा परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे। 3) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे। 4) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।

11	HIN-III E-4	हिन्दी दलित लेखन	1) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे। 2) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे। 3) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे। 4) दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे। 5) दलित लेखन के माध्यम से दलित विमर्श और उसकी की आवश्यकता को समझेंगे।	1) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे। 2) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे। 3) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे। 4) दलित लेखन के माध्यम से दलित विमर्श तथा दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझेंगे।
12	HIN-IV.C-6	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के परिवेश एवं परिस्थितियों से परिचित होंगे। 2) आधुनिक काल के काल विभाजन का ज्ञान प्राप्त होगा। 3) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। 4) हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे। 5) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम से परिचित होंगे।	1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के काल विभाजन,परिवेश एवं परिस्थितियों से परिचित होंगे। 2) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। 3) हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे। 4) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम को समझेंगे।
13	HIN-IV.E-5	हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं	1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता	1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता

		इलेक्ट्रोनिक	के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे। 2) पत्रकारिता के विविध प्रकारों को समझेंगे। 3) पत्रकार के गुण एवं पत्रकारिता संबंधी कानून का ज्ञान होगा। 4) मुद्रित पत्रकारिता का परिचय प्राप्त होगा। 5) इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता में रेडियो, टेलीविजन एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।	के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे। 2) पत्रकारिता के विविध प्रकारों, पत्रकार के गुण एवं पत्रकारिता संबंधी कानून का ज्ञान होगा। 3) मुद्रित पत्रकारिता का परिचय प्राप्त होगा। 4) इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता में रेडियो, टेलीविजन एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।
14	HIN-IV.E-6	विशेष अध्ययन:सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	1) विद्यार्थी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थी छायावादी काव्य में निराला के प्रदेय से अवगत होंगे। 3) काव्येतर विधाओं में निराला के योगदान को समझेंगे। 4) निराला की कविताओं का अर्थ एवं प्रासंगिकता से अवगत होंगे। 5) निराला के साहित्य में प्रगतिशील अवधारणा को समझेंगे।	1) विद्यार्थी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थी छायावादी काव्य में निराला के प्रदेय से अवगत होंगे। 3) काव्येतर विधाओं में निराला के योगदान को समझेंगे। 4) निराला की कविताओं का अर्थ एवं प्रासंगिकता तथा उनके साहित्य में प्रगतिशील अवधारणा से अवगत होंगे।

15	HIN-IV.E-7	विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी	1) हिन्दी कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप समझेंगे। 2) हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे। 3) प्रेमचंद की कहानी कला परिचित होंगे। 4) फणीश्वर रेणु की कहानियों की आंचलिकता से परिचित होंगे। 5) हिन्दी कहानी में सूर्यबाला के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।	1) हिन्दी कहानी की अवधारणा, स्वरूप एवं उसके विकासयात्रा को समझेंगे। 2) प्रेमचंद की कहानी कला से अवगत होंगे। 3) फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियों की आंचलिकता से परिचित होंगे। 4) हिन्दी कहानी में सूर्यबाला के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।
16	HIN-IV.E-8	हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी एवं उपन्यास)	1) विद्यार्थी साहित्य के आस्वादन की कला से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थी शोध एवं समीक्षा प्रक्रिया से अवगत होंगे। 3) कविता के आस्वादन एवं काव्य-समीक्षा के तत्त्वों से परिचित होंगे। 4) कहानी एवं उपन्यास की समीक्षा के विविध आधारों से अवगत होंगे। 5) शोध सामग्री का संकलन एवं विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।	1) विद्यार्थी साहित्य के आस्वादन की कला से परिचित होकर शोध एवं समीक्षा प्रक्रिया से अवगत होंगे। 2) कविता के आस्वादन एवं काव्य-समीक्षा के तत्त्वों से परिचित होंगे। 3) कहानी एवं उपन्यास की समीक्षा के विविध आधारों से अवगत होंगे। 4) शोध सामग्री का संकलन एवं विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।
17	HIN-V.C-7	भारतीय काव्यशास्त्र	1) काव्य की अवधारणा एवं लक्षणों से अवगत होंगे। 2) विद्यार्थी भारतीय	1) काव्य की अवधारणा एवं लक्षणों से अवगत होंगे। 2) विद्यार्थी भारतीय

			काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 3) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। 4) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे। 5) भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।	काव्यशास्त्र की परंपरा और भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे। 3) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। 4) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे।
18	HIN-V.E-9	कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र संस्मरण,यात्रावृत्त, आत्मकथा एवं जीवनी (किसी विधाकी एक पाठ्य पुस्तक)	1) विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे। 2) रेखाचित्र, संस्मरण लेखन के मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) साहित्य यात्रावृत्त का महत्व एवं आवश्यकता को समझेंगे। 4) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे। 5) रेखाचित्र विधा के विकास में रामवृक्ष बेनीपुरी के योगदान से परिचित होंगे।	1) विद्यार्थी कथेतर गद्य विधाओं से परिचित होंगे। 2) रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रावृतांत का विकासक्रम, अंतर, महत्त्व एवं आवश्यकता से अवगत होंगे। 3) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे। 4) रेखाचित्र विधा के विकास में रामवृक्ष बेनीपुरी के योगदान से परिचित होंगे।
19	HIN-V.E-10	विशेष अध्ययन:हिन्दी उपन्यास	1) उपन्यास के स्वरूप एवं तत्व तथा उपन्यास के विकासक्रम से परिचित होंगे। 2) 'निर्मला' उपन्यास के माध्यम से स्त्री जीवन की	1) उपन्यास के स्वरूप, तत्त्व एवं विकासक्रम से परिचित होंगे। 2) ग्रामीण परिवेश की विभिन्न परिस्थितियों के प्रति

			विडंबनाओं को समझेंगे। 3) 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से उसकी की मूल संवेदना से परिचित होंगे। 4) विद्यार्थी 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से भूमंडलीकरण की अवधारणा से ज्ञात होंगे। 5) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।	प्रति जागरूक होकर वहाँ की पारिवारिक, सामाजिक, राजनैतिक परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे। 3) 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से उसकी मूल संवेदना एवं भूमंडलीकरण की अवधारणा से परिचित होंगे। 5) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।
20	HIN-V.E-11	मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन	1) विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा। 2) रेडियो एवं टेलीविज़न पत्रकारिता से अवगत होंगे। 3) रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे। 4) विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा। 5) इलेक्ट्रोनिक मीडिया में रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।	1) विद्यार्थी मीडिया लेखन के सिद्धांत, स्वरूप एवं महत्त्व को समझेंगे। 2) रेडियो एवं टेलीविज़न लेखन के सिद्धांत एवं प्रकारों से अवगत होंगे। 3) रेडियो एवं टेलीविज़न के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे। 4) रेडियो एवं टेलीविज़न लेखन के व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।
21	HIN-V.E-12	हिंदी नाटक	1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। 2) भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे। 3) अभिनय कौशल का	1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप, तत्त्व तथा नाट्य परंपरा से परिचित होंगे। 2) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी।

			विकास होगा। 4) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी। 5) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।	3) विद्यार्थी रचनाकार के मनोवैज्ञानिक संघर्ष से परिचित होंगे। 4) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।
22	HIN-VI.C-8	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी। 3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा को समझेंगे। 4) आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त एवं उसकी विविध प्रवृत्तियों को समझेंगे। 5) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।	1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा तथा पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी प्राप्त होगी। 2) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा को समझेंगे। 3) आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त एवं उसकी विविध प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त होगी। 4) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।
23	HIN-VI.E-13	हिंदी निबंध	1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप एवं तत्त्व को समझेंगे। 2) हिंदी निबंध के उद्भव एवं विकास की जानकारी होगी। 3) हिन्दी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों से अवगत होंगे। 4) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके मार्मिक निबंधों से	1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप,तत्त्व, भेद तथा विकासक्रम की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) हिन्दी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों से अवगत होंगे। 3) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके मार्मिक निबंधों से

			परिचित होंगे। 5) निबंध लेखन की ओर प्रवृत्त होंगे।	परिचित होंगे। 4) निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन कर सकेंगे तथा निबंध लेखन की ओर अग्रसर होंगे।
24	HIN-VI.E-14	भाषाविज्ञान	1) भाषा एवं भाषाविज्ञान की अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकारों की जानकारी प्राप्त होगी। 2) भाषाविज्ञान के अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे। 3) ध्वनि विज्ञान की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी। 4) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा। 5) अर्थविज्ञान में अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।	1) भाषा एवं भाषाविज्ञान की अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकारों तथा अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे। 2) ध्वनि विज्ञान की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी। 3) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा। 4) अर्थविज्ञान में अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।
25	HIN-VI.E-15	हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण	1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे। 2) देवनागरी लिपि का स्वरूप एवं नामकरण से परिचित होंगे। 3) देवनागरी लिपि विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान	1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे। 2) देवनागरी लिपि का स्वरूप, नामकरण, विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा। 3) हिन्दी की वर्ण-

			प्राप्त होगा। 4) हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था एवं रूप-रचना से परिचित होंगे। 5) विकारी एवं अविकारी शब्दों से परिचित होंगे।	रचना,विकारी एवं अविकारी शब्दों से का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। 4) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया के रूपान्तरण से अवगत होंगे।
26	HIN-VI.E-16	साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन	1) साहित्य तथा साहित्येतर ज्ञान की अन्य शाखाओं को समझ समझेंगे। 2) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे। 3) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे। 4) अन्य साहित्य का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे। 5) साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन करने में सक्षम होंगे।	1) साहित्य तथा साहित्येतर ज्ञान की अन्य शाखाओं को समझ समझेंगे। 2) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे। 3) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे। 4) अन्य साहित्य का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव तथा साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन करने में सक्षम होंगे।
27	HIN-III.SEC-1	हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)	1) पथनाट्य की अवधारणा और स्वरूप के साथ तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा। 2) प्रमुख नुक्कड़ नाटकों की प्रासंगिकता से अवगत होंगे। 3) पथनाट्य प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे। 4) अभिनय के साथ-साथ अन्य कौशलों का भी विकास	1) पथनाट्य की अवधारणा और स्वरूप के साथ तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा। 2) प्रमुख नुक्कड़ नाटकों की प्रासंगिकता से अवगत होंगे। 3) पथनाट्य लेखन एवं प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे। 4) अभिनय के साथ-साथ अन्य कौशलों का भी विकास

			होगा। 5) पथनाट्य लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।	होगा।
28	HIN-IV.SEC-2	हिन्दी एकांकी	1) एकांकी के विकास और रंगमंचीयता से परिचित होंगे। 2) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थी अभिनय,एवं संवाद कला में निपुण होंगे। 4) विद्यार्थी एकांकी प्रस्तुतीकरण में दक्षता प्राप्त करेंगे। 5) एकांकी का गहन अध्ययन करके एकांकी लेखनकला से परिचित होंगे।	1) एकांकी के विकास और रंगमंचीयता से परिचित होंगे। 2) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थी अभिनय, संवाद कला एवं एकांकी प्रस्तुतीकरण में निपुण होंगे। 4) एकांकी का गहन अध्ययन करके एकांकी लेखनकला से परिचित होंगे।

5 To suggest latest reference books for various courses.

SYBA HIN-Core 5 हिन्दी साहित्य का इतिहास

1) रामकिशोर शर्मा, 'हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास,' लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2009
2) विजयेन्द्र स्नातक, 'हिन्दी साहित्य का इतिहास', साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2009

SYBA - HIN III Elective 1 प्रयोजनमूलक हिन्दी: अनुवाद एवं पत्रलेखन

1) डॉ. अजयप्रकाश, डॉ. रमेशवर्मा, डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी', समवेत रामबाग, कानपुर, 2005
2) डॉ. अनिल कुमार तिवारी, 'सरकारी कार्यालयों व बैंकों में प्रयोजनशील हिंदी', विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, 2004

3) प्रो. विराज एम. ए., 'प्रामाणिक आलेखनऔर टिप्पण', राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली, 1978
4) प्रा. विकासपाटिल, 'हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर', ए. बी. एस. पब्लिकेशन, वाराणसी, 2019
5) डॉ. सुरेश सिहल, 'अनुवाद, अवधारणा औरआयाम', संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006

SYBA - HIN III Elective 2 मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)

1) कल्याण सिंह शेखावत, 'मीरा ग्रंथावली भाग-1, 2', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2001
2) डॉ. सी.एल. प्रभात, 'मीरा जीवन और काव्य', राजस्थानी ग्रन्थगार, जोधपुर 1999
3) रघुवंश, 'जायसी एक नयी दृष्टि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
4) रघुवंश, 'कबीर एक नयी दृष्टि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
5) डॉ. विजय प्रकाश मिश्र, 'हिंदी के प्रतिनिधि कवि', विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2000

TYBA - HIN V-Elective 10 विशेष अध्ययन : हिन्दी उपन्यास

भैरव प्रसाद , 'गंगा मैया' लोकभारती प्रकाशन

TYBA - HIN VI Core 8 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1) डॉ. ब्रह्मदत्तशर्मा, 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त', लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019

4. A.O.B

एकेडमिक ऑडिट के अंतर्गत बी. ओ.एस के वी. सी नॉमिनी तथा ए. सी नोमिनी को सम्मिलित करने का निर्णय लिया गया।

The foregoing minutes of the meeting were read out by the member Secretary at the meeting itself and they were unanimously approved by the entire Members Present.

1. Ms. Alka Gawas - Chairperson
2. Dr. Brijpal Singh Gahloth - Academic Council Nominee
3. Mr. Sandeep Lotlikar- Academic Council Nominee
4. Dr. Soniya Sirsat- Vice-Chancellor Nominee, Goa University
5. Shri. Satish Dhuri- Industry Representative
6. Mr. Akbarali Shaikh- Alumni
7. Dr. Rishikesh Mishra- Member Secretary
8. Pro. Pradeep Jatal- Member
9. Ms. Priyanka Velip- Member
10. Ms. Shambhavi Naik- Member
11. Ms. Darshan Talwadker- Member
12. Ms. Sachi Naik- Member

Dr. Rishikesh Mishra
Member Secretary
Board of Studies

Miss Alka Gawas
Signature of the Chairperson
Board of Studies

Date: 17th March, 2022

Part C: The remarks of the dean of the Faculty:-

a. The minutes are in order.
b. The minutes may be placed before the Academic Council with remark, if any.
c. Important points of the minutes which need clear policy decision of the academic council to be recorded.

Date: 17th March, 2022

Signature of the Dean
(Faculty of Languages and literature)

Dr. Sachin Moraes

Part D: The remarks of the Member Secretary of the Academic Council:-

a. The minutes are in order.
b. The minutes may be placed before the Academic Council with remark, if any.
c. Important points of the minutes which need clear policy decision of the academic council to be recorded.

Date: 15th May, 2021

Signature of the Member Secretary ----------

Academic Council Dr. Ananya Das

Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
(Autonomous)

UNDER GRADUATE DEPARTMENT OF HINDI

COURSE STRUCTURE

SEMESTER	CORE COMPULSORY		CORE ELECTIVE				SKILL ENHANCEMENT COURSES	FOUNDATION COURSE
I	**HIN-I.C-1** हिन्दी कहानी एवं शब्दसाधन (Hindi story and Shabda Sadhan)	**HIN-I.C-2** हिन्दी कविता एवं काव्यसौंदर्य (Hindi poetry and kavya Soundarya)	-	-	-	-	-	**FC-HIN.1** भाषा कौशल (Skills of language)
II	**HIN-II.C-3** हिन्दी नाटक:वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म (study of Hindi drama, Documentary and Feature film)	**HIN-II.C-4** हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता (Haasya – Vyangya Essay and journalism)	-	-	-	-	-	**FC-HIN.2** व्यावहारिक हिन्दी (Functional/ Vyavaharik Hindi)
III	**HIN-III C-5** हिन्दी साहित्य का इतिहास)आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल((History of Hindi	-	**HIN-III E-1** प्रयोजनमूलक हिन्दी :अनुवाद एवं पत्रलेखन (Functional Hindi : Translati	**HIN-III E-2** मध्यकालीन काव्य)चयनित कविताएँ((Medieval Poetry-selective poems)	**HIN-III E-3** हिन्दी महिला लेखन (Hindi Mahila Lekhan)	**HIN-III E-4** हिन्दी दलित लेखन (study of Hindi Dalit lekhan)	**HIN-III.SEC-1** हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक) (Hindi Street Play)	-

	literature Adi, Bhakti & Ritikaal)		on and Letter Writing)					
IV	**HIN-IV.C-6** हिन्दी साहित्य का इतिहास)आधुनिक काल) (History of Hindi literature – modern era	-	**HIN-IV.E-5** हिन्दी पत्रकारिता :मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक (Hindi Journalism- Print and Electronic Media)	**HIN-IV.E-6** विशेष अध्ययन : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (special study of poet – Suryakant Tripathi Nirala)	**HIN-IV.E-7** विशेष अध्ययन : हिन्दी कहानी (Special study of Hindi Story)	**HIN-IV.E-8** हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा)कविता, कहानी एवं उपन्यास((Appreciation of Hindi Literature and review of poems, stories and novels)	**HIN-IV.SEC-2** हिन्दी एकांकी (Hindi One act Play)	-
V	**HIN-V.C-7** भारतीय काव्यशास्त्र (Indian poetics)	-	**HIN-V.E-9** कथेत्तर गद्य साहित्य : रेखाचित्र संस्मरण, यात्रावृतांत,आत्मकथा एवं जीवनी)किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक(Kathetar	**HIN-V.E-10** विशेष अध्ययन: हिन्दी उपन्यास (A study of Hindi Novel)	**HIN-V.E-11** मीडिया लेखन : रेडियो एवं टेलीविजन Media writing – Radio and Television	**HIN-V.E-12** हिंदी नाटक (Hindi Drama)	-	-

			gadya sahitya : sansmaran , yatravrut aant, evam jivni					
VI	**HIN-VI.C-8** पाश्चात्य काव्यशास्त्र (western poetics)	-	**HIN-VI.E-13** हिंदी निबंध (Hindi essay)	**HIN-VI.E-14** भाषाविज्ञान (linguistics)	**HIN-VI.E-15** हिंदी भाषा,लिपि एवं व्याकरण (Hindi language, script and grammar)	**HIN-VI.E-16** साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन (Sahitya ka Antaranushasnatmak Adhayayn)	-	-

PROGRAMME LEARNING OUTCOMES (PLO'S)

Programme learning outcome (PLO)	Short Title of the POs	Description of the Programme Outcomes Graduates will be able to :
PLO-1	भाषिक क्षमता	भाषा विज्ञान, भाषा कौशल एवं व्याकरण, मीडिया लेखन के अध्ययन के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता का विकास होगा।
PLO-2	साहित्य की विविध विधाओं एवं विमर्शों का आस्वादन एवं मूल्यांकन।	साहित्य की विविध विधाओं एवं विमर्शों के आस्वादन एवं मूल्यांकन द्वारा मानवीय संवेदना और जीवन दृष्टि का विकास होगा

		एवं तुलनात्मक दृष्टि विकसित होगी। साथ ही नाटक एवं रंगमंच से जुड़ी विविध विधाओं एवं रंगमंचीय प्रयोगों से विद्यार्थियों में अधिगम क्षमता का विकास होगा।
PLO-3	साहित्य समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न काव्य सिद्धांतों का ज्ञान।	साहित्य समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न काव्य सिद्धांतों के आधार पर साहित्य के मूल्यांकन की क्षमता विकसित होगी।
PLO-4	प्रयोजनमूलक हिंदी- अनुवाद एवं पत्रकारिता का सैद्धांतिक और व्यावहारिक अध्ययन।	प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप एवं विविध क्षेत्र का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में हिंदी के व्यावसायिक अनुप्रयोग की क्षमता विकसित होगी। अनुवाद के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक स्वरूप का अध्ययन कर अनुवाद के क्षेत्र में सक्रिय होने की क्षमता विकसित होगी। मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अध्ययन कर पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाशने में सक्षम होंगे।

COURSE OUTCOME

Sr. No.	Course Code	Course Title	New Course Outcomes
1	HIN-I.C-1	हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन	1) कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। 2) हिन्दी कहानी एवं कहानीकारों की

			जानकारी प्राप्त होगी। 3) कहानियों के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित, प्रभावित तथा कहानी लेखन की और अग्रसर होंगे। 4) व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।
2	HIN - I.C-2	हिन्दी कविता एवं काव्य सौंदर्य	1) विद्यार्थी मध्ययुगीन तथा आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी। 3) विद्यार्थीयों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी तथा काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे। 4) काव्यसौंदर्य में अलंकार, छंद एवं समास का ज्ञान प्राप्त होगा।
3	HIN- II.C-3	हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म	1) विद्यार्थी नाट्य परंपरा एवं नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। 2) 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नई' नाटक एवं नाटककार असगर वजाहत के रचना संसार से परिचित होंगे और विद्यार्थियों को सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थियों में अभिनय कौशल के प्रति अभिरुचि पैदा होगी। 4) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के

			सैद्धांतिक पक्ष तथा उसके अंतर को समझने में सक्षम होंगे।
4	HIN - II.C-4	हास्य -व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता	1) विद्यार्थी निबंध विधा से परिचित होकर हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे। 2) हास्य-व्यंग्य निबंध एवं निबंधकारों से अवगत होंगे। 3) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे। 4) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व समझेंगे।
5	FC-HIN.1	व्यावहारिक हिन्दी	1) विद्यार्थी व्यावहारिक हिन्दी का परिचय और उसके विविध क्षेत्रों से परिचित होंगे। 2) कार्यालयीन पत्राचार से परिचित होंगे। 3) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे। 4) विद्यार्थियों में मानक वर्तनी लेखन की क्षमता विकसित होगी।
6	FC-HIN.2	भाषा कौशल	1) भाषण-कला विकसित होगी। 2) श्रवण-क्षमता का विकास होगा। 3) वाचन-कौशल निर्माण होगा। 4) लेखन-कला के साथ हिन्दी भाषा के व्यवहार में दक्ष होंगे।
7	HIN-III C-5	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	1) हिन्दी साहित्य के कालविभाजन से अवगत होंगे तथा काव्य धाराओं का परिचय प्राप्त होगा।

			2) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। 3) भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि, परिवेश तथा काव्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। 4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
8	HIN-III E-1	प्रयोजनमूलक हिन्दी:अनुवाद एवं पत्रलेखन	1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय तथा रोजगार के अवसरों से परिचित होंगे। 2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) अनुवाद के स्वरूप, प्रकारों एवं अनुवाद कला में निपुण होंगे। 4) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में सक्षम होंगे।
9	HIN-III E-2	मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)	1) सगुण भक्ति काव्य एवं निर्गुण भक्ति परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत होंगे। 2) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित होंगे। 3) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझेंगे। 4) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझेंगे।
10	HIN-III	हिन्दी महिला लेखन	1) महिला लेखन की अवधारणा एवं

	E-3		स्वरूप को समझेंगे। 2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे तथा परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे। 3) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे। 4) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।
11	HIN-III E-4	हिन्दी दलित लेखन	1) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे। 2) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे। 3) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे। 4) दलित लेखन के माध्यम से दलित विमर्श तथा दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझेंगे।
12	HIN-IV.C-6	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के काल विभाजन, परिवेश एवं परिस्थितियों से परिचित होंगे। 2) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। 3) हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे। 4) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम को समझेंगे।

13	HIN-IV.E-5	हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक	1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे। 2) पत्रकारिता के विविध प्रकारों,पत्रकार के गुण एवं पत्रकारिता संबंधी कानून का ज्ञान होगा। 3) मुद्रित पत्रकारिता का परिचय प्राप्त होगा। 4) इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता में रेडियो, टेलीविजन एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।
14	HIN-IV.E-6	विशेष अध्ययन:सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	1) विद्यार्थी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थी छायावादी काव्य में निराला के प्रदेय से अवगत होंगे। 3) काव्येतर विधाओं में निराला के योगदान को समझेंगे। 4) निराला की कविताओं का अर्थ एवं प्रासंगिकता तथा उनके साहित्य में प्रगतिशील अवधारणा से अवगत होंगे।

15	HIN-IV.E-7	विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी	1) हिन्दी कहानी की अवधारणा, स्वरूप एवं उसके विकासयात्रा को समझेंगे। 2) प्रेमचंद की कहानी कला से अवगत होंगे। 3) फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियों की आंचलिकता से परिचित होंगे। 4) हिन्दी कहानी में सूर्यबाला के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।
16	HIN-IV.E-8	हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी एवं उपन्यास)	1) विद्यार्थी साहित्य के आस्वादन की कला से परिचित होकर शोध एवं समीक्षा प्रक्रिया से अवगत होंगे। 2) कविता के आस्वादन एवं काव्य-समीक्षा के तत्त्वों से परिचित होंगे। 3) कहानी एवं उपन्यास की समीक्षा के विविध आधारों से अवगत होंगे। 4) शोध सामग्री का संकलन एवं विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।
17	HIN-V.C-7	भारतीय काव्यशास्त्र	1) काव्य की अवधारणा एवं लक्षणों से अवगत होंगे। 2) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा और भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे। 3) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का

			सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। 4) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे।
18	HIN-V.E-9	कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र संस्मरण,यात्रावृत्त,आत्मकथा एवं जीवनी (किसी विधाकी एक पाठ्य पुस्तक)	1) विद्यार्थी कथेतर गद्य विधाओं से परिचित होंगे। 2) रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रावृतांत का विकासक्रम, अंतर, महत्त्व एवं आवश्यकता से अवगत होंगे। 3) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे। 4) रेखाचित्र विधा के विकास में रामवृक्ष बेनीपुरी के योगदान से परिचित होंगे।
19	HIN-V.E-10	विशेष अध्ययन:हिन्दी उपन्यास	1) उपन्यास के स्वरूप, तत्त्व एवं विकासक्रम से परिचित होंगे। 2) ग्रामीण परिवेश की विभिन्न परिस्थितियों के प्रति प्रति जागरूक होकर वहाँ की पारिवारिक, सामाजिक, राजनैतिक परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे। 3) 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से उसकीमूल संवेदना एवं भूमंडलीकरण की अवधारणा से परिचित होंगे। 5) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।
20	HIN-V.E-11	मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन	1) विद्यार्थी मीडिया लेखन के सिद्धांत, स्वरूप एवं महत्त्व को

			समझेंगे। 2) रेडियो एवं टेलीविज़न लेखन के सिद्धांत एवं प्रकारों से अवगत होंगे। 3) रेडियो एवं टेलीविज़न के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे। 4) रेडियो एवं टेलीविज़न लेखन के व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।
21	HIN-V.E-12	हिंदी नाटक	1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप, तत्त्व तथा नाट्य परंपरा से परिचित होंगे। 2) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी। 3) विद्यार्थी रचनाकार के मनोवैज्ञानिक संघर्ष से परिचित होंगे। 4) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।
22	HIN-VI.C-8	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा तथा पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी प्राप्त होगी। 2) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा को समझेंगे। 3) आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त एवं उसकी विविध प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त होगी। 4) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।

23	HIN-VI.E-13	हिंदी निबंध	1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप,तत्त्व, भेद तथा विकासक्रम की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) हिन्दी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों से अवगत होंगे। 3) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके मार्मिक निबंधों से परिचित होंगे। 4) निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन कर सकेंगे तथा निबंध लेखन की ओर अग्रसर होंगे।
24	HIN-VI.E-14	भाषाविज्ञान	1) भाषा एवं भाषाविज्ञान की अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकारों तथा अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे। 2) ध्वनि विज्ञान की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी। 3) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा। 4) अर्थविज्ञान में अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।
25	HIN-VI.E-15	हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण	1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे। 2) देवनागरी लिपि का स्वरूप, नामकरण, विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा। 3) हिन्दी की वर्ण-रचना,विकारी एवं अविकारी शब्दों से का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। 4) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया के

			रूपान्तरण से अवगत होंगे।
26	HIN-VI.E-16	साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन	1) साहित्य तथा साहित्येतर ज्ञान की अन्य शाखाओं को समझ समझेंगे। 2) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे। 3) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे। 4) अन्य साहित्य का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव तथा साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन करने में सक्षम होंगे।
27	HIN-III.SEC-1	हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)	1) पथनाट्य की अवधारणा और स्वरूप के साथ तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा। 2) प्रमुख नुक्कड़ नाटकों की प्रासंगिकता से अवगत होंगे। 3) पथनाट्य लेखन एवं प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे। 4) अभिनय के साथ-साथ अन्य कौशलों का भी विकास होगा।
28	HIN-IV.SEC-2	हिन्दी एकांकी	1) एकांकी के विकास और रंगमंचीयता से परिचित होंगे। 2) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थी अभिनय, संवाद कला एवं एकांकी प्रस्तुतीकरण में निपुण होंगे। 4) एकांकी का गहन अध्ययन करके एकांकी लेखनकला से परिचित होंगे।

PARVATIBAI CHOWGULE COLLEGE OF ARTS AND SCIENCE
AUTONOMOUS

DEPARTMENT OF HINDI

REVISED SYLLABUS OF B.A
SYLLABI OF SEMESTER I TO VI -ACADEMIC YEAR-
(BOS 17 MARCH 2022) 2022-2023

F.Y.B.A - (Semester - I)

Core Paper

Paper Title: हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन

Paper Code: HIN -I.C-1

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

प्रारंभिक कहानियों से लेकर वर्तमान समय तक लिखी जाने वाली कहानियों की विद्यार्थियों को जानकारी देना। ये कहानियाँ वर्तमान एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी होने के साथ ही मूल्यनिष्ठ कहानियाँ हैं। इसके साथ ही विद्यार्थियों को व्याकरण की भी जानकारी देनी है।

Course Outcome:

1) कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे।
2) हिन्दी कहानी एवं कहानीकारों की जानकारी प्राप्त होगी।
3) कहानियों के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित, प्रभावित तथा कहानी लेखन की और अग्रसर होंगे।

4) व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।

Syllabus:

कहानी संग्रह: हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा
(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित कहानी संग्रह)

व्याकरण: शब्द के भेद, वर्तनी एवं शुद्धलेखन, शब्दयुग्म, मुहावरे, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, कारक का सामान्य परिचय।

इकाई विभाजन:

इकाई एक : (15 Lectures)

1. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी।
2. दो बैलों की कथा - प्रेमचंद।
3. परदा - यशपाल।

इकाई दो : (15 Lectures)

1. मलबे का मालिक- मोहन राकेश।
2. गोपाल को किसने मारा- मन्नू भण्डारी।
3. मुखौटा - ममता कालिया

इकाई तीन : (15 Lectures)

1. हार की जीत - सुदर्शन।
2. दिल्ली में एक मौत - कमलेश्वर।
3. अपनी वापसी- चित्रा मुद्गल।

इकाई चार : शब्द साधन (15 Lectures)

1. शब्द के भेद।
2. वर्तनी एवं शुद्धलेखन।
3. शब्दयुग्म।
4. मुहावरे।
5. पर्यायवाची शब्द।
6. वाक्यांश के लिए एक शब्द।
7. कारक का सामान्य परिचय।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. नामवर सिंह, 'कहानी नयी कहानी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016
2. मधुरेश, 'हिन्दी कहानी का इतिहास' लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2014
3. गोपालराय,'हिन्दी कहानी का इतिहास',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2018
4. रामचंद्र तिवारी, 'हिन्दी का गद्य साहित्य',विश्वविद्यालय प्रकाशन 2016
5. कामताप्रसाद गुरु-'हिन्दी व्याकरण',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह -'हिन्दी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 3 : टिप्पणियाँ/ संदर्भ सहित व्याख्या (10)

प्रश्न4. व्याकरण (10)

****

F.Y.B.A - (Semester - I)

Core Paper

Paper Title: हिन्दी कविता एवं काव्य सौंदर्य

Paper Code: HIN-I.C-2

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

मध्ययुगीन एवं आधुनिक कवियों एवं कविताओं की विद्यार्थियों को जानकारी देना। साथ ही काव्य सौंदर्य के अंतर्गत अलंकार, छंद एवं समास की जानकारी देना।

Course Outcome:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से -

1) विद्यार्थी मध्ययुगीन तथा आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।

2) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी।

3) विद्यार्थीयों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी तथा काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे।

4) काव्यसौंदर्य में अलंकार, छंद एवं समास का ज्ञान प्राप्त होगा।

Syllabus:

कविता संग्रह: हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा
(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित कविता संग्रह)

काव्य सौंदर्य: अलंकार, छंद एवं समास

इकाई विभाजन:

इकाई एक : **(15 Lectures)**

1. कबीर बानी। (10 दोहे)

2. सूर के पद । (5 पद)

3. रामराज्य वर्णन। (तुलसीदास, आरंभ के 5 दोहे एवं चौपाइयां)

इकाई दो : **(15 Lectures)**

1. रहीम के दोहे- रहीम।
2. जूही की कली- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।
3. सवेरे उठा तो धूप खिली थी- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'।

इकाई तीन : **(15 Lectures)**

1. बीस साल बाद- सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'।
2. बेजगह- अनामिका।
3. प्रेत का बयान- नागार्जुन

इकाई चार : काव्यसौंदर्य। **(15 Lectures)**

क) अलंकार - i)शब्दालंकार -अनुप्रास, यमक, श्लेष।
ii) अर्थालंकार- उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा।

ख) छंद- i) मात्रिक छंद- दोहा, सोरठा, चौपाई।
ii) वर्णिक छंद- इंद्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया।

ग) समास।

संदर्भ ग्रंथ

1. रामस्वरूप चतुर्वेदी, 'हिन्दी कवि का इतिहास',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012
2. देवेन्द्रनाथ शर्मा,'काव्य के तत्व', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी, 'मध्यकालीन बोध का स्वरूप', राजकमल प्रकाशन,2003
4. रामबहोरी शुक्ल, 'हिन्दी प्रदीप' हिन्दी भवन, इलाहाबाद, 2010
5. भगीरथ मिश्र-'काव्यशास्त्र',विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1999
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह -'हिन्दी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हिन्दी कविता एवं काव्य सौन्दर्य

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई एक) (10)

प्रश्न 3: संदर्भ सहित व्याख्या (10)

प्रश्न 4 : व्याकरण (10)

****

F.Y.B.A - (Semester - II)

Core Paper

Paper Title: हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म

Paper Code: HIN-II.C-3

Marks: 100

Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objective

असगर वजाहत का नाटक 'जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याइ नई' के माध्यम से नाटक का परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवी मूल्यों का परिचय कराना। साथ ही वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म लेखन के सैद्धांतिक पक्ष की जानकारी देना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी नाट्य परंपरा एवं नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे।

2) 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नई' नाटक एवं नाटककार असगर वजाहत के रचना संसार से परिचित होंगे और विद्यार्थियों को सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों का परिचय प्राप्त होगा।

3) विद्यार्थियों में अभिनय कौशल के प्रति अभिरुचि पैदा होगी।

4) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष तथा उसके अंतर को समझने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

1. जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई - असगर वजाहत

2. वृत्तचित्र एवं फ़ीचर फ़िल्म।

इकाई विभाजन:

इकाई - 1. : (15 Lectures)

1. नाटक की अवधारणा।
2. नाटक का स्वरूप।
3. नाटक के तत्व।

इकाई - 2. 'जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई' का पाठ्यालोचन। **(15 Lectures)**

इकाई - 3. 'जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई का समीक्षात्मक अध्ययन।**(15 Lectures)**

इकाई - 4. वृत्तचित्र एवं फ़ीचर फ़िल्म। **(15 Lectures)**

1. वृत्तचित्र की अवधारणा एवं विशेषताएँ।
2. फीचर फिल्म की अवधारणा एवं विशेषताएँ।
3. वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म में अंतर।

संदर्भ ग्रंथ

1. दशरथ ओझा, 'हिन्दी नाटक का विकास',राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली,2003
2. साठोत्तर हिन्दी नाटक-के. वी. नारायण कुरूप लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
3. समकालीन फिल्मों के आईने में समाज-सत्यदेव त्रिपाठी शिल्पायन प्रकाशन,दिल्ली, 2013
4. साहित्य और सिनेमा -सं.डॉ.शैलजा भारद्वाज,चिंतन प्रकाशन,कानपुर, 2013
5. सिनेमा और साहित्य- हरीश कुमार संजय प्रकाशन,दिल्ली,2010
6. मनोहर श्याम जोशी, 'पटकथा लेखन',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2002

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हिन्दी नाटक: वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक की 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ नाट्य प्रस्तुतीकरण (Paper/Drama Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : संदर्भ सहित व्याख्या/ (10)

****

F.Y.B.A - (Semester - II)

Core Paper

Paper Title: हास्य - व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता

Paper Code: HIN-II.C-4

Marks: 100

Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objectives:

भारतेन्दु युग से लेकर अब तक के हास्य- व्यंग्य निबंधों से विद्यार्थियों का परिचय कराना, ताकि वे हास्य-व्यंग्य निबंधों की गंभीरता एवं वैचारिकता को समझ सकें। साथ ही पत्रकारिता की जानकारी से विद्यार्थी रोजगार से जुड़ सकेंगे।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी निबंध विधा से परिचित होकर हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे।

2) हास्य-व्यंग्य निबंध एवं निबंधकारों से अवगत होंगे।

3) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे।

4) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व समझेंगे।

Syllabus: **हिंदी हास्य-व्यंग्य निबंध संग्रह-** हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा

(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित निबंध संग्रह)

पत्रकारिता: सामान्य परिचय, भेद, उपयोगिता और महत्त्व।

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. हास्य एवं व्यंग्य के तत्त्व।
3. हास्य एवं व्यंग्य में अंतरसंबंध।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. नया साल- अमृतराय।

2. अपना मकान- इंद्रनाथ मदान।

3. पगडंडियों का जमाना- हरिशंकर परसाई।

4. मोची भया उदास -प्रेम जनमेजय

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. अध्यक्ष महोदय -शरद जोशी ।
2. घूस एक चिकनाई है- रवीद्र कालिया।
3. धमाका- अभिमन्यु अनत।
4. अच्छी हिन्दी - रवीन्द्र नाथ त्यागी

इकाई चार - **(15 Lectures)**

1. पत्रकारिता का सामान्य परिचय।

2. पत्रकारिता के भेद।

3. पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व। **(15 Lectures)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.बालेन्दु शेखर तिवारी,'हिन्दी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य',अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर,1978
2. डॉ. प्रेमनारायन टंडन,'हिन्दी साहित्य में हास्य-व्यंग्य',हिन्दी साहित्य भंडार,लखनऊ,1975
3. डॉ. *उषा शर्मा,'हिन्दी निबंध साहित्य में व्यंग्य'*,आत्माराम एण्ड सन्स कश्मीरी गेट, दिल्ली, 1985
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2007
5. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
6. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक की 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

F.Y.B.A - (Semester - I)

Optional Paper

Paper Title: व्यावहारिक हिन्दी

Paper Code:

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

आज साहित्यिक हिन्दी के साथ - साथ उसका व्यावहारिक रूप उभरकर सामने आ रहा है। उदाहरण के रूप में बैंक के क्षेत्र में, रेल विभाग में, रेडियो, दूरदर्शन तथा विभिन्न जनसंचार माध्यमों में हिन्दी के व्यावहारिक रूप से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी व्यावहारिक हिन्दी का परिचय और उसके विविध क्षेत्रों से परिचित होंगे।

2) कार्यालयीन पत्राचार से परिचित होंगे।

3) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे।

4) विद्यार्थियों में मानक वर्तनी लेखन की क्षमता विकसित होगी।

पाठ्यक्रम एवं इकाई विभाजन

इकाई एक : व्यावहारिक हिन्दी का सामान्य परिचय, स्वरूप एवं व्याप्ति (15 Lectures)

1. व्यावहारिक एवं साहित्यिक हिंदी: सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ।
2. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।
3. राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा (सामान्य परिचय)।

इकाई दो : व्यावहारिक हिन्दी के विविध क्षेत्र :सामान्य परिचय

(15 Lectures)

कार्यालयीन पत्राचार- 1.आवेदन पत्र।

2. अनुस्मारक।
3. शिकायती पत्र।
4. बधाई पत्र।

इकाई तीन : अनुवाद (15 Lectures)

1. अनुवाद: अवधारणा एवं स्वरूप।
2. अनुवाद की प्रक्रिया।
3. अनुवाद के प्रकार।
4. अनुवाद की उपयोगिता।

इकाई चार : हिन्दी व्याकरण (15 Lectures)

1. मानक वर्तनी लेखन।
2. वाक्य विन्यास।
3. लिंग।
4. वचन।
5. कारक।
6. उपसर्ग।
7. प्रत्यय।

(सामान्य परिचय एवं प्रयोग**)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अंबादास देशमुख ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी अधुनातन आयाम', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. विनोद गोदरे ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
3. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2008
4. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
5. कामताप्रसाद गुरु-'हिन्दी व्याकरण',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह -'हिन्दी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

व्यावहारिक हिन्दी

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना/साक्षात्कार (Assignment/interview) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (20)
3. लिखित परीक्षा (Written Test) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

F.Y.B.A - (Semester - II)

Optional Paper

Paper Title: भाषा कौशल

Paper Code:

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा कौशल की वृद्धि कराना है। संगणक युग में भी भाषण, लेखन वाचन, लेखन कौशल बना रहे, इस दिशा में प्रयत्न कराना है। उन्हें क्रमश: इन चार कौशलों के माध्यम से उस सोपान तक ले जाना है, जहाँ वे हिन्दी भाषा का प्रयोग एवं लेखन सही ढंग से कर सकें।

Course Outcome:

1) भाषण-कला विकसित होगी।

2) श्रवण-क्षमता का विकास होगा।

3) वाचन-कौशल निर्माण होगा।

4) लेखन-कला के साथ हिन्दी भाषा के व्यवहार में दक्ष होंगे।

Syllabus:

इकाई एक -भाषा-कौशल: सामान्य परिचय एवं भाषा-कौशल का महत्त्व (15 Lectures)

इकाई दो- भाषण एवं श्रवण कौशल। (15 Lectures)

1. भाषण एवं श्रवण कौशल का स्वरूप।
2. भाषण एवं श्रवण कौशल का महत्त्व।
3. भाषण एवं श्रवण कौशल के उद्देश्य।
4. भाषण एवं श्रवण कौशल की विशेषताएँ।
5. भाषण एवं श्रवण कौशल को बेहतर करने के उपाय।

इकाई तीन- वाचन कौशल। (15 Lectures)

1. वाचन कौशल का स्वरूप।
2. वाचन कौशल का महत्त्व।

3. वाचन कौशल के उद्देश्य।
4. वाचन कौशल की विशेषताएँ।
5. वाचन कौशल को बेहतर करने के उपाय।

इकाई चार- लेखन कौशल। (15 Lectures)

1. लेखन कौशल का स्वरूप।
2. लेखन कौशल का महत्त्व।
3. लेखन कौशल के उद्देश्य।
4. लेखन कौशल की विशेषताएँ।
5. लेखन कौशल को बेहतर करने के उपाय।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी का सही प्रयोग - नीलम मान, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2005
2. भानुशंकर मेहता, 'बोलने की कला',विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी, 2013
3. ईश्वरचंद राही, 'लेखन कला का इतिहास',उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान,लखनऊ,1983
4. रामचंद्र वर्मा,'अच्छी हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
5. शशिबाला-'हिन्दी शिक्षण विधियाँ',डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,2006

नोट : इस प्रश्न पत्र पर विद्यार्थियों से व्यावहारिक कार्य कराया जाएगा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

भाषा कौशल

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. साक्षात्कार (Interview) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (20)
3. कहानी लेखन (Story writing) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : निबंध लेखन (10)

****

S.Y.B.A - (Semester - III)

Core Course

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

Course Code: HIN-III C.5

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

प्रारंभ से लेकर रीतिकाल तक हिन्दी साहित्य के इतिहास की विद्यार्थियों को जानकारी देना। इससे विद्यार्थियों को ज्ञात होगा कि आज हिन्दी का जो स्वरूप है, उसका प्रारंभिक रूप किस प्रकार का था। वे प्राचीन हिन्दी भाषा और विशेष रूप से प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य से परिचित होंगे।

Course Outcome:

1) हिन्दी साहित्य के कालविभाजन से अवगत होंगे तथा काव्य धाराओं का परिचय प्राप्त होगा।

2) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

3) भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि, परिवेश तथा काव्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।

Syllabus:

इकाई **एक -आदिकाल** **(15 Lectures)**

आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, रासो काव्य परंपरा, सिद्ध, जैन एवं नाथ काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं प्रवृतियाँ।

इकाई **दो- निर्गुण भक्तिधारा** **(15 Lectures)**

भक्तिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और संत एवं सूफी धाराओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई **तीन- सगुण भक्तिधारा** **(15 Lectures)**

राम एवं कृष्ण भक्ति काव्य धारा का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियां।

इकाई **चार - रीति काल** **(15 Lectures)**

रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य धाराओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

संदर्भ ग्रंथ:

1) डॉ. बच्चन सिंह,हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास,राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली,2015
2) डॉ. विजयपाल सिंह,हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली,2011
3) डॉ. रामकुमार वर्मा,हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2010
4) डॉ.नगेन्द्र,हिन्दी साहित्य का इतिहास,नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,दिल्ली,2014
5) आचार्य रामचंद्र शुक्ल,हिन्दी साहित्य का इतिहास,प्रभात प्रकाशन,दिल्ली,2006
6) डॉ. शिवकुमार शर्मा,हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, नई सड़क,दिल्ली,1986
7) रामकिशोर शर्मा, 'हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास,' लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2009
8) विजयेन्द्र स्नातक, 'हिन्दी साहित्य का इतिहास', साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, 2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी की 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : टिप्पणी (10)

****

S.Y.B.A - (Semester - III)

Elective Course

Course Title: प्रयोजनमूलक हिन्दी: अनुवाद एवं पत्रलेखन

Course Code: HIN-III. E-1

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

आजका युग आधुनिकीकरण,निजीकरण और भूमंडलीकरण की प्रक्रिया से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में हिन्दी की भूमिका केवल साहित्यिक हिन्दी तक सीमित न रहकर नए ज्ञान विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्रों से गुजर रही है। इन क्षेत्रों में प्रयोजनमूलक हिन्दी की अहम भूमिका है। अनुवाद और पत्रलेखन का महत्व तथा उसकी आवश्यकता को ध्यान में रखकर इन क्षेत्रों में बढ़ते अवसरों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय तथा रोजगार के अवसरों से परिचित होंगे।

2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

3) अनुवाद के स्वरूप, प्रकारों एवं अनुवाद कला में निपुण होंगे।

4) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक- (15 Lectures)

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी का सामान्य परिचय।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध क्षेत्र
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी और रोजगार के अवसर

इकाई दो - (15 Lectures)

1. राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास।
2. राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधान

इकाई तीन - अनुवाद लेखन (15 Lectures)

1. अनुवाद: अवधारणा एवं स्वरूप
2. अनुवाद के प्रकार।
3. कार्यालयीन अनुवाद
4. व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक अनुवाद
5. साहित्यिक अनुवाद
6. ई अनुवाद
7. अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष

इकाई चार- पत्र-लेखन (15 Lectures)

1. व्यावसायिक पत्र-लेखन: पूछताछ, क्रयादेश, अनुस्मारक।
2. कार्यालयीन पत्रलेखन: कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, कार्यवृत्त।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अंबादास देशमुख ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी अधुनातन आयाम', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. विनोद गोदरे ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
3. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2008
4. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
5. डॉ. अर्जुन चव्हाण,मीडिया कालीन हिन्दी:स्वरूप और संभावनाएँ,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2005
6. जितेंद्र गुप्त,पत्रकारिता में अनुवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2006
7. डॉ. अजयप्रकाश, डॉ. रमेशवर्मा, डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी', समवेत रामबाग, कानपुर, 2005
8. डॉ. अनिल कुमार तिवारी, 'सरकारी कार्यालयों व बैंकों में प्रयोजनशील हिंदी', विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, 2004
9. प्रो. विराज एम. ए., 'प्रामाणिक आलेखनऔर टिप्पण', राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली, 1978
10. प्रा. विकासपाटिल, 'हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर', ए. बी. एस. पब्लिकेशन, वाराणसी, 2019
11. डॉ. सुरेश सिहल, 'अनुवाद, अवधारणा औरआयाम', संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

प्रयोजनमूलक हिन्दी : अनुवाद एवं पत्रलेखन

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक की 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (20)
3. लिखित परीक्षा (written Test) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 3 अनुवाद लेखन (10)

प्रश्न 4 पत्रलेखन (10)

S.Y.B.A - (Semester - III)

Elective Course

Course Title: मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)

Course Code: HIN-III E-2

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को मध्यकालीन परिस्थितियों से अवगत कराते हुए तत्कालीन कवियों से परिचित कराना। साथ ही रीतिकाल की कुछ प्रमुख शृंगारिक रचनाओं के माध्यम से यह बताना कि रीतिकालीन कविताएँ किस प्रकार दरबारी संस्कृति से जुड़ गई।

Course Outcome:

1) सगुण भक्ति काव्य एवं निर्गुण भक्ति परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत होंगे।

2) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित होंगे।

3) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझेंगे।

4) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई **1.**	कबीर और जायसी।	**(15 Lectures)**
इकाई **2.**	सूरदास और तुलसीदास।	**(15 Lectures)**
इकाई **3.**	रसखान और मीराबाई।	**(15 Lectures)**
इकाई **4.**	बिहारी और घनानन्द।	**(15 Lectures)**

(प्रत्येक के 10 दोहे एवं 5 पदों की व्याख्या)

संदर्भ ग्रंथ-

1) विश्वंभर 'मानव', 'प्राचीन कवि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली,2009
2) सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,*जायसी ग्रंथावली*- ना.प्र.स., वाराणसी,1995
3) विश्वनाथ त्रिपाठी, 'मीरा का काव्य,' वाणी प्रकाशन-21-ए,दरियागंज,नयी दिल्ली,2010
4) श्री. जगन्नाथदास 'रत्नाकर', 'बिहारी रत्नाकर,' लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली,2015
5) डॉ. शिवकुमार शर्मा, 'हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ', अशोक प्रकाशन,नयी सड़क,दिल्ली,1986
6) कल्याण सिंह शेखावत, 'मीरा ग्रंथावली भाग-1, 2', वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2001
7) डॉ. सी.एल. प्रभात, 'मीरा जीवन और काव्य', राजस्थानी ग्रन्थगार, जोधपुर 1999
8) रघुवंश, 'जायसी एक नयी दृष्टि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
9) रघुवंश, 'कबीर एक नयी दृष्टि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
10) डॉ. विजय प्रकाश मिश्र, 'हिंदी के प्रतिनिधि कवि', विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2000

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएं)

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्रप्र स्तुतीकरण/ (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester - III)

Elective Course

Course Title: हिन्दी महिला लेखन

Course Code: HIN-III E-3

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

हिन्दी में महिला लेखन अपने से पूर्व के साहित्य से किस प्रकार अलग है, इसकी जानकारी विद्यार्थियों को देना। साथ ही इस लेखन का उद्देश्य क्या है, इसका भी विद्यार्थियों को ज्ञान कराना।

Course Outcome:

1) महिला लेखन की अवधारणा एवं स्वरूप को समझेंगे।

2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे तथा परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे।

3) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे।

4) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।

Syllabus:

इकाई एक -महिला लेखन की अवधारणा, पृष्ठभूमि, स्वरूप एवं विकास। (15 Lectures)

इकाई दो **-** तीन चयनित कहानियाँ। (15 Lectures)

1. तीसरा हिस्सा- मन्नू भण्डारी।
2. महानगर की मैथिली- सुधा अरोड़ा।
3. नीलकंठ - उषा किरण खान।

इकाई तीन **-** तीन चयनित कहानियाँ। (15 Lectures)

1. मामला आगे बढ़ेगा अभी - चित्रा मुद्गल।
2. फैसला - मैत्रेयी पुष्पा।
3. देशांतर - सुदर्शन प्रियदर्शिनी

इकाई चार- छह चयनित कविताएँ। (15 Lectures)

1. स्त्रियाँ -अनामिका।
2. चिड़ियाँ की आँख से- निलेश रघुवंशी।
3. घर की चौखट से बाहर- सुशीला टाकभोरे।
4. सात भाइयों के बीच चंपा- कात्यायनी।
5. अहल्या- प्रभा खेतान।
6. क्या तुम जानते हो - निर्मला पुतुल

संदर्भ ग्रंथ:

1) सरला माहेश्वरी,*नारी प्रश्न*, राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली,2007
2) क्षमा शर्मा, 'स्त्रीत्ववादी विमर्श: समाज और साहित्य',राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2008
3) माधुरी छेड़ा,'आधुनिक कथा साहित्य में नारी:स्वरूप और प्रतिमा',अरविंद प्रकाशन,बंबई,1994
4) कुमार राधा, 'स्त्री संघर्ष का *इतिहास*', नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन, 2002

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी महिला लेखन

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक :60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

S.Y.B.A - (Semester - III)

Elective Course

Course Title: हिंदी दलित लेखन

Course Code: HIN-III E-4

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

हिन्दी में दलित लेखन साहित्य की मुख्य धारा से किस प्रकार अलग है, इसकी जानकारी विद्यार्थियों को देना। साथ ही इस लेखन का उद्देश्य क्या है, इसका भी विद्यार्थियों को ज्ञान कराना।

Course Outcome:

1) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे।

2) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे।

3) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे।

4) दलित लेखन के माध्यम से दलित विमर्श तथा दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई 1. दलित लेखन की अवधारणा, स्वरूप, पृष्ठभूमि एवं विकास। (15 Lectures)

इकाई **2.** तीन चयनित दलित कहानियाँ। (15 Lectures)

इकाई **2.** तीन चयनित दलित कहानियाँ।

1) साजिश - सुरजपाल चौहान
2) सिलिया - सुशीला टाकभोरे
3) सुरंग - दयानन्द बटोही

इकाई **3.** तीन चयनित दलित कहानियाँ। (15 Lectures)

1) पच्चीस चौका डेढ़ सौ - ओमप्रकाश वाल्मीकि

2) आवाज़ें - मोहनदास नैमिषराय

3) तलाश - जयप्रकाश कर्दम

इकाई **4.** छह चयनित दलित कविताएँ। (15 Lectures)

1) वेद में जिनका हवाला - अदम गोंडवी
2) मै दूँगा माकूल जवाब - असंघोष
3) ये दलितों की बस्ती है - सुरजपाल चौहान
4) बस बहुत हो चुका - ओमप्रकाश वाल्मीकि
5) स्पार्टाकस - रमणिका गुप्ता
6) गूँगा नहीं था मैं - जयप्रकाश कर्दम

संदर्भ ग्रंथ-

1) तेज सिंह,*आज का दलित साहित्य*, अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली,2002
2) डॉ. श्यौराज सिंह बेचैन, 'चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य',नवलेखन प्रकाशन, बिहार,2001
3) डॉ.पुरुषोतम सत्यप्रेमी, 'दलित साहित्य सृजन के संदर्भ में', कामना प्रकाशन दिल्ली,1999
4) डॉ. जयप्रकाश कर्दम 'दलित साहित्य', अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली,2003
5) डॉ.पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी 'दलित साहित्य रचना और विचार', अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली,2001

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

S.Y.B.A - (Semester - IV)

Core Course

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
Course Code: HIN-IV.C-6
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी कविता के इतिहास से परिचित कराना। उन्हें यह बताना कि अपनी किन विशिष्टताओं के कारण आधुनिक काल की कविता और उसके कवि सीधे समाज और राष्ट्र प्रेम से जुड़े।

Course Outcome:

1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के काल विभाजन,परिवेश एवं परिस्थितियों से परिचित होंगे।

2) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।

3) हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे।

4) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

1. भारतेन्दुयुगीन कविता।
2. द्विवेदी युगीन कविता।
3. छायावादी कविता।
4. राष्ट्रीय सांस्कृतिक कविता

इकाई दो - (15 Lectures)

1. प्रगतिवादी कविता।
2. प्रयोगवादी कविता।
3. नई कविता।
4. साठोत्तरी एवं समकालीन कविता

इकाई तीन - (15 Lectures)

1. हिन्दी कहानी का विकास।
2. हिन्दी उपन्यास का विकास।

इकाई चार - (15 Lectures)

1. हिन्दी नाटक का विकास।
2. हिन्दी निबंध का विकास।

(उपरोक्त काव्य धाराओं/ विधाओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ)

संदर्भ

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'* प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2003
2. डॉ. रमेश चंद्र शर्मा, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'* विद्या प्रकाशन, गुजैनी, कानपुर, 2002
3. डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, *'हिन्दी साहित्येतिहास'* अटलांटिक प्रकाशन एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली,1989
4. राजनाथ शर्मा, *'हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास'* विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,1978
5. डॉ. नगेन्द्र, '*हिन्दी साहित्यका इतिहास'*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली, 1973
6. डॉ.शिवकुमार शर्मा, '*हिन्दी साहित्य :युग और प्रवृतियाँ*', अशोक प्रकाशन, नयी सड़क, दिल्ली,1970

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

आंतरिकमूल्यांकन:

पूर्णांक :60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

S.Y.B.A - (Semester - IV)

Elective Course

Course Title: हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक

Course Code: HIN-IV.E-5

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

2) मुद्रित माध्यमों में रोजगार के अवसरों की विद्यार्थियों को जानकारी देना।

3) इलेक्ट्रोनिक माध्यमों की बढ़ती व्याप्ति को समझते हुए उसमें प्राप्त रोजगार संबंधी जानकारी विद्यार्थियों को देना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे।

2) पत्रकारिता के विविध प्रकारों,पत्रकार के गुण एवं पत्रकारिता संबंधी कानून का ज्ञान होगा।

3) मुद्रित पत्रकारिता का परिचय प्राप्त होगा।

4) इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता में रेडियो, टेलीविजन एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।

Syllabus:

इकाई एक- पत्रकारिता का सामान्य परिचय, स्वरूप एवं महत्त्व (15 Lectures)

इकाई दो - (15 Lectures)

1. पत्रकारिता के विविध प्रकार (खेल पत्रकारिता, मनोरंजन पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, महिला पत्रकारिता)।
2. माध्यम के आधारपर प्रकार (प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक)
3. पत्रकारिता संबंधी कानून।

इकाई तीन- हिन्दी मुद्रित पत्रकारिता का उद्भव और विकास (15 Lectures)

1. स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी पत्रकारिता।
2. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता।

3. संचार क्रांति के बाद की पत्रकारिता।

इकाई चार - हिन्दी की इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता। (15 Lectures)

क) रेडियो पत्रकारिता

ख) टी. वी. पत्रकारिता

ग) इंटरनेट पत्रकारिता

घ) सोशल मीडिया (फेसबूक, ट्विटर, वाट्सएप, ब्लॉग, यूट्यूब)

संदर्भ ग्रंथ-

1. कैलाशनाथ पाण्डेय,'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007

2. डॉ.अंबादास देशमुख,'प्रयोजनमूलक हिन्दी के अधुनातन आयाम',शैलजा प्रकाशन,कानपुर,2006

3.डॉ.रामप्रकाश,डॉ. दिनेशगुप्त, प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिन्दी',राधाकृष्णप्रकाशन, नईदिल्ली,2014

3. एन. सी. पंत, पत्रकारिता का इतिहास' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली,2002

4. सविता चड्ढा,'हिन्दी पत्रकारिता: सिद्धान्त और स्वरूप' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,

दिल्ली,1995

5. डॉ. अजय प्रकाश, डॉ. रमेश वर्मा, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'* समवेत प्रकाशन, रामबाग ,कानपुर,2005

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक से 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न(2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

S.Y.B.A - (Semester - IV)

Elective Course

Course Title: विशेष अध्ययन: सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

Course Code: HIN-IV.E-6

Marks: 100

Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के समग्र जीवनवृत्त एवं साहित्य से परिचित कराना। विद्यार्थियों को यह बताना कि निराला किस प्रकार छायावादी अन्य कवियों से अलग और महत्वपूर्ण थे।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।

2) विद्यार्थी छायावादी काव्य में निराला के प्रदेय से अवगत होंगे।

3) काव्येतर विधाओं में निराला के योगदान को समझेंगे।

4) निराला की कविताओं का अर्थ एवं प्रासंगिकता तथा उनके साहित्य में प्रगतिशील अवधारणा से अवगत होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

1. निराला का जीवन वृत्त।
2. निराला की काव्य दृष्टि।
3. निराला का गद्य साहित्य।

इकाई दो - (15 Lectures)

1. गीतिका के पद
2. बाँधो न नाव इस ठाव
3. जागो फिर एक बार।(कोई एक खंड)
4. सखी,वसंत आया।

इकाई तीन - (15 Lectures)

1. दान।
2. स्नेह निर्झर बह गया है।
3. बादल राग। (कोई एक खंड)
4. संध्या सुंदरी

इकाई चार- (15 Lectures)

'बिल्लेसुर बकरिहा' रेखाचित्र का अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ

1. नंदकिशोर नवल, *'निराला रचनावली-1'* राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली,1983
2. नंदकिशोर नवल, *'निराला रचनावली-2'* राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली,1983
3. बच्चन सिंह, *'आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2007
4. प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित,*'निराला समग्र'*, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ,2015
5. डॉ. फणीश सिंह,*'हिन्दी साहित्य-एक परिचय'*, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2006

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

विशेष अध्ययन : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester - IV)

Elective Course

Course Title: विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी

Course Code: HIN-IV.E-7

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) आधुनिक हिन्दी कहानी साहित्य से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2) विद्यार्थियों को कहानी एवं उसके इतिहास से परिचित कराना।
3) विद्यार्थियों को हिन्दी के प्रमुख कहानिकारों का परिचय कराना।

Course Outcomes:

1) हिन्दी कहानी की अवधारणा, स्वरूप एवं उसके विकासयात्रा को समझेंगे।

2) प्रेमचंद की कहानी कला से अवगत होंगे।

3) फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियों की आंचलिकता से परिचित होंगे।

4) हिन्दी कहानी में सूर्यबाला के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।

Syllabus:

इकाई **एक -** (15 Lectures)

कहानी: स्वरूप एवं तत्व।

इकाई **दो -** मुंशी प्रेमचंद की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. ईदगाह
2. रामलीला
3. सद्गति

इकाई तीन- फणीशवरनाथ रेणु की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. पंचलाइट
2. लालपान की बेगम
3. ठेस

इकाई **चार-** सूर्यबाला की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. आखिरी विदा

2. बाऊजी और बंदर
3. होगी जय, होगी जय...हे पुरुषोत्तम नवीन!

संदर्भ ग्रंथ-

1. गोपाल राय,'*हिन्दी कहानी का इतिहास*,'राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद,2008

2. बच्चन सिंह,'*हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास*',राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2004

3. रामस्वरूप चतुर्वेदी, *'हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2005

4. डॉ.सूर्यबाला की 21 श्रेष्ठ कहानियाँ, डायमंड पब्लिकेशन,दिल्ली

5. डॉ. फणीश सिंह,'*हिन्दी साहित्य: एक परिचय*,राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद,2006

6. डॉ. नगेन्द्र, '*हिन्दी साहित्यका इतिहास'*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दरियागंज,दिल्ली,1973

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester - IV)

Elective Course

Paper Title: हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता, कहानी एवं उपन्यास)
Paper Code: HIN-IV.E-8
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) चयनित हिन्दी साहित्यका संकलन एवं विश्लेषण कराना।
2) हिन्दी साहित्यिक परंपरा का अभ्यास कराना।
3) हिन्दी साहित्य पर प्रपत्र बनाने का अभ्यास कराना।
4) हिन्दी साहित्य का आस्वादन, समीक्षा और शोध कार्य हेतु प्रवृत्त कराना।

Course Outcomes:

1) विद्यार्थी साहित्य के आस्वादन की कला से परिचित होकर शोध एवं समीक्षा प्रक्रिया से अवगत होंगे।

2) कविता के आस्वादन एवं काव्य-समीक्षा के तत्त्वों से परिचित होंगे।

3) कहानी एवं उपन्यास की समीक्षा के विविध आधारों से अवगत होंगे।

4) शोध सामग्री का संकलन एवं विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।

Syllabus:

इकाई **एक -** (15 Lectures)

समीक्षा का अर्थ, स्वरूप एवं आधार.

इकाई **दो -कविता** (15 Lectures)

कैदी और कोकिला - माखनलाल चतुर्वेदी।

यशोधरा (कुछ अंश)- मैथिलीशरण गुप्त

इकाई **तीन- कहानी** (15 Lectures)

पुरस्कार- जयशंकर प्रसाद

यही सच है - मन्नू भंडारी।

कर्मनाशा की हार- शिवप्रसाद सिंह

इकाई **चार- उपन्यास** (15 Lectures)

त्यागपत्र - जैनेन्द्र।

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिन्दी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली। संस्करण-2016
2. हिन्दी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। संस्करण-2014
3. डॉ. ओमप्रकाश त्रिपाठी, '*समीक्षा के विविध रंग*, विद्या प्रकाशन, कानपुर,2014
4. डॉ. मधु खराटे, डॉ. शिवाजी देवरे,'*अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया*'विद्या प्रकाशन, कानपुर,2013
5. अभिलाषा दिवाकर, '*शोध कैसे करें*, मार्क पब्लिशर, जयपुर,2014

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी, एवं उपन्यास)

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester - V)

Core Course

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र

Course Code: HIN-V.C-7

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र की जानकारी देना।
2) भारतीय आचार्यों के चिंतन का ज्ञान प्राप्त कराना।
3) साथ ही हिन्दी के आधुनिक आचार्यों के काव्यशास्त्रीय चिंतन की जानकारी देना।

Course Outcome:

1) काव्य की अवधारणा एवं लक्षणों से अवगत होंगे।

2) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा और भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।

3) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।

4) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

1. काव्य की परिभाषा एवं स्वरूप।
2. काव्य के भेद।
3. काव्य के तत्व।
4. काव्य के हेतु।
5. काव्य प्रयोजन।

इकाई दो - (15 Lectures)

1. रस सिद्धान्त- स्वरूप, अवयव और उसके भेद।
2. अलंकार सिद्धान्त- सामान्य परिचय।

इकाई तीन - (15 Lectures)

1. ध्वनि सिद्धान्त- सामान्य परिचय।
2. रीति सिद्धान्त- सामान्य परिचय।

इकाई चार- **(15 Lectures)**

1. वक्रोक्ति सिद्धान्त- सामान्य परिचय।
2. औचित्य सिद्धान्त- सामान्य परिचय।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. भगीरथ मिश्र, ' काव्यशास्त्र' विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी, 1970
2. डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी, '*काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य',* आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2012
3. जयचंद्र राय, '*आचार्य रामचन्द्र शुक्ल: सिद्धान्त और साहित्य',* भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली,1963
4. डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित, *'रस सिद्धान्त:स्वरूप-विश्लेषण'*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1972
5. डॉ. संजय नवले,*'साहित्यशास्त्र',* दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर, 2009
6. बलदेव उपाध्याय, 'भारतीय साहित्यशास्त्र', प्रसाद परिषद, काशी, 1955

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

भारतीय काव्यशास्त्र

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester - V)

Elective Course

Course Title: कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी

(किसी विधा की एक पाठ्य पुस्तक)

Course Code: HIN-V.E-9

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम से हिन्दी गद्य की मुख्य विधा के अलावा विद्यार्थियों को अन्य विधाओं की जानकारी देना। इनमें मुख्य विधाएँ हैं- संस्मरण साहित्य, यात्रा साहित्य, आत्मकथा साहित्य एवं जीवनी साहित्य। इन विधाओं में आज काफी लेखन कार्य हो रहा है, इसकी उन्हें जानकारी देना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी कथेतर गद्य विधाओं से परिचित होंगे।

2) रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रावृतांत का विकासक्रम, अंतर, महत्त्व एवं आवश्यकता से अवगत होंगे।

3) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे।

4) रेखाचित्र विधा के विकास में रामवृक्ष बेनीपुरी के योगदान से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य: अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएँ।

इकाई दो - (15 Lectures)

रेखाचित्र, संस्मरण एवं यात्रा वृतांत का उद्भव एवं विकास।

इकाई तीन - (15 Lectures)

आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य का उद्भव एवं विकास।

इकाई चार - **(15 Lectures)**

किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक: माटी की मूरतें- रामवृक्ष बेनीपुरी (चयनित)।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. शांति खन्ना, '*आधुनिक हिन्दी का जीवनीपरक साहित्य*', सन्मार्ग प्रकाशन, बैंगलो रोड, दिल्ली,1973
2. डॉ. संजय नवले,*'साहित्यशास्त्र',* दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स,कानपुर, 2009
3. डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा, '*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2002
4. डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
5. डॉ. सुधाकर कलवडे, *'साहित्यशास्त्र परिचय',* पुस्तक संस्थान नेहरू नगर, कानपुर, 1985

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र, संस्मरण,यात्रा,वृतांत,आत्मकथा एवं जीवनी
(किसी विधा की एक पाठ्य पुस्तक)

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester - V)

Elective Course

Course Title: विशेष अध्ययन: हिन्दी उपन्यास

Course Code: HIN-V.E-10

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी उपन्यास का स्वरूप एवं तत्व की जानकारी देना। उन्हें हिन्दी उपन्यास के विकासक्रम की जानकारी देना। साथ ही उपन्यासकारों के उद्देश्य को उन तक पहुँचाना।

Course Outcome:

1) उपन्यास के स्वरूप, तत्त्व एवं विकासक्रम से परिचित होंगे।

2) 'निर्मला' उपन्यास के माध्यम से स्त्री जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे।

3) 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से उसकीमूल संवेदना एवं भूमंडलीकरण की अवधारणा से परिचित होंगे।

4) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

उपन्यास: स्वरूप एवं तत्व।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

गंगा मैया - भैरवप्रसाद गुप्त

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

दौड़ - ममता कालिया

इकाई चार- **(15 Lectures)**

निर्धारित उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. रामलखन शुक्ल, '*हिन्दी उपन्यास कला*', सन्मार्ग प्रकाशन, बैंगलौ रोड, दिल्ली, 1972
2. डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, *'हिन्दी साहित्य:प्रकीर्ण विचार'*, शोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली, 1967
3. डॉ. रामनारायण सिंह, *'मधुर हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यास'*, ग्रंथम, रामबाग, कानपुर, 1971
4. डॉ. ज्ञान अस्थाना, '*हिन्दी उपन्यासों में ग्राम समस्याएँ*', जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 1979
5. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, '*हिन्दी कथा साहित्य*', हिन्दी ग्रंथ-रत्नाकर कार्यालय, बंबई, 1954

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

विशेष अध्ययन: हिन्दी उपन्यास

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester - V)

Elective Course

Course Title: मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन

Course Code: HIN-V.E-11

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को मीडिया लेखन की जानकारी देना। विशेष रूप से रेडियो एवं टेलीविज़न से संबंधित लेखन से उन्हें अवगत कराना, क्योंकि आज रेडियो एवं टेलीविज़न मीडिया का सशक्त माध्यम बन गया है।

Course Outcome

1) मीडिया लेखन के सिद्धांत, स्वरूप एवं महत्त्व को समझेंगे।

2) रेडियो एवं टेलीविज़न लेखन के सिद्धांत एवं प्रकारों से अवगत होंगे।

3) रेडियो एवं टेलीविज़न के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे।

4) रेडियो एवं टेलीविज़न लेखन के व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।

Syllabus:

इकाई एक - (15 lectures)

मीडिया लेखन : स्वरूप, सिद्धान्त एवं महत्त्व।

इकाई दो - (15 lectures)

1. रेडियो लेखन के सिद्धान्त।
2. रेडियो लेखन के प्रकार: समाचार लेखन, रेडियो वार्ता, भेंट वार्ता, चर्चा-परिचर्चा, रेडियो नाटक, संचालन कला (रेडियो जॉकी)

इकाई तीन - (15 lectures)

1. टेलीविज़न लेखन के सिद्धान्त।
2. टेलीविज़न लेखन के प्रकार: समाचार लेखन, साक्षात्कार, धारावाहिक, वेबसीरीज लेखन।

इकाई चार - रेडियो और टेलीविज़न लेखन के व्यावहारिक रूप का अध्ययन **(15 lectures)**

1. रेडियो वार्ता लेखन।
2. संवाद लेखन।
3. दृश्य रूपान्तरण।
4. भेंट-वार्ता।
5. रेडियो समाचार लेखन।
6. रेडियो विज्ञापन लेखन।
7. टेलीविज़न विज्ञापन लेखन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. अंबादास देशमुख, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी:अधुनातन आयाम'* , शैलजा प्रकाशन, कानपुर,2006
2. सं. डॉ. सुभाष तलेकर, '*रोजगाराभिमुख हिन्दी :दिशाएँ एवं संभावनाएँ*', नंदादीप प्रकाशन, पुणे, 2010
3. डॉ॰ सुजाता वर्मा, *'पत्रकारिता और मीडिया,'* विकास प्रकाशन, कानपुर, 2016
4. रामशरन जोशी, '*मीडिया विमर्श*', सामयिक प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 2002
5. डॉ. अजय प्रकाश, डॉ.रमेश वर्मा, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, समवेत, रामबाग, कानपुर, 2005

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविज़न

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. फिल्म/विज्ञापन /प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Film/Advertisement/Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक : 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester - V)

Elective Course

Course Title: हिंदी नाटक

Course Code: HIN-V.E-12

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी नाटक, स्वरूप एवं तत्व से परिचित कराना। उन्हें नाटक के उद्भव एवं विकास की जानकारी देना। साथ ही एक नाटक का अध्ययन कराना।

Course Outcome

1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप, तत्त्व तथा नाट्य परंपरा से परिचित होंगे।

2) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी।

3) विद्यार्थी रचनाकार के मनोवैज्ञानिक संघर्ष से परिचित होंगे।

4) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. नाटक: स्वरूप एवं तत्त्व।
2. भारतीय नाट्य परंपरा।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

हिन्दी रंगमंच का विकास।

इकाई तीन- **(15 Lectures)**

आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश (पाठालोचन)

इकाई चार- **(15 Lectures)**

आषाढ़ का एक दिन का तात्विक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. गिरीश रस्तोगी,हिन्दी नाटक और रंगमंच की नई दिशाएँ,ग्रंथम प्रकाशन,कानपुर,1966
2. दशरथ ओझा,*हिन्दी नाटक: उद्भव और विकास*, दिल्ली राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली
3. डॉ.पशुपतिनाथ उपाध्याय, *'हिन्दी नाटक एवं रंगमंच ',* जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009
4. डॉ. सविता चौधरी, *'साठोत्तरी हिन्दी नाटक',* विद्या प्रकाशन गुजैनी, कानपुर, 2012
5. नेमिचन्द्र जैन, *'रंगदर्शन',* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
6. डॉ. बच्चन सिंह, *'हिन्दी नाटक',* साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद,1958

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी नाटक

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. नाट्य/प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Drama /Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester - VI)

Core Course

Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code: HIN-VI.C-8

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को प्रमुख पाश्चात्य विचारकों से परिचित कराना। विद्यार्थियों को पाश्चात्य विचारकों के सिद्धांतों और वादों की जानकारी देना और साथ ही उन्हें आधुनिक समीक्षा की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।

Course Outcome:

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे।
2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी।
3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा को समझेंगे।
4) आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त एवं उसकी विविध प्रवृत्तियों को समझेंगे।
5) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - प्रमुख पाश्चात्य विचारक **(15 Lectures)**

1. प्लेटो।
2. अरस्तू।

इकाई दो - प्रमुख पाश्चात्य विचारक **(15 Lectures)**

1. मैथ्यू आरनाल्ड।
2. टी.एस. इलिएट।

इकाई तीन- प्रमुख पाश्चात्य सिद्धान्त **(15 Lectures)**

1. अभिजात्यवाद।
2. मार्क्सवाद।

इकाई चार- आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त **(15 Lectures)**

1. संरचनावाद।

2. उत्तर संरचनावाद।

संदर्भ ग्रंथ:

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरबैक्स, ए95-, सेक्टर5-, नोएडा201301-
2. पाश्चात्य काव्य चिंतन, डॉ॰ करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा॰ लि॰, नई दिल्ली।
3. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा,* संडॉ.नगेन्द्र ., डॉसावित्री सिन्हा., दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली,1966
4. *पाश्चात्य काव्यशास्त्रअधुनातन संदर्भ :, सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश, संस्करण2003-*
5. *नया हिन्दीकाव्य-,* डॉशिव कुमार मिश्र ., अनुसंधान प्रकाशन, आचार्यनगर, कानपुर, 1962
6. *काव्यशास्त्र :भारतीय एवं पाश्चात्य,* डॉकन्हैयालाल अवस्थी ., आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2012
7. *नया साहित्य नए प्रश्न,* नन्ददुलारे वाजपेयी, विद्यामन्दिर प्रेस, मानमंदिर, वाराणसी, 1959
8. *साहित्य समीक्षा,* मुद्रारक्षस, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1963
9. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत,* शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण1997-।
10. डॉ. ब्रह्मदत्तशर्मा, 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त', लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019

*****

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक:40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)
प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester - VI)

Elective Course

Course Title: हिंदी निबंध

Course Code: HIN-VI.E-13

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी निबंध के स्वरूप एवं तत्व की जानकारी देना। उन्हें हिन्दी निबंध के क्रमिक विकास से परिचित कराना। साथ ही एक निबंध संग्रह के अध्ययन के माध्यम से निबंध विधा की जानकारी देना।

Course Outcome

1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप,तत्त्व, भेद तथा विकासक्रम की जानकारी प्राप्त करेंगे।

2) हिन्दी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों से अवगत होंगे।

3) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके मार्मिक निबंधों से परिचित होंगे।

4) निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन कर सकेंगे तथा निबंध लेखन की ओर अग्रसर होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

निबंध: स्वरूप, तत्व एवं भेद।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1) भारत वर्षोन्नति - भारतेन्दु हरिश्चंद्र -
2) आचरण की सभ्यता - सरदार पूर्ण सिंह
3) उत्साह - रामचन्द्र शुक्ल
4) नाखून क्यों बढ़ते है? **-** हजारी प्रसाद द्विवेदी
5) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है- विद्यानिवास मिश्र-

इकाई तीन- **(15 Lectures)**

जिंदगी मुस्कुराई- कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (कोई पाँच)

इकाई चार - **(15 Lectures)**

निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, *'साहित्यिक निबंध',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
2. डॉ. भोलानाथ, *'हिन्दी साहित्य'* हिन्दी परिषद, प्रकाशन प्रयाग, 1971
3. रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास',* नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
4. बच्चन सिंह, '*आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास',* मयूर पेपरबैक्स, 2014

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी निबंध

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक :40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester - VI)

Elective Course

Course Title: भाषाविज्ञान

Course Code: HIN-VI.E-14

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भाषाविज्ञान की जानकारी देना। उसके अध्ययन क्षेत्र एवं दिशाओं का ज्ञान प्राप्त कराना। साथ ही ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान की जानकारी देना।

Course Outcome

1) भाषा एवं भाषाविज्ञान की अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकारों तथा अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे।

2) ध्वनि विज्ञान की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी।

3) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा।

4) अर्थविज्ञान में अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. भाषा: परिभाषा एवं विशेषताएँ।
2. भाषा परिवर्तन के कारण
3. भाषाविज्ञान: परिभाषा और अध्ययन की दिशाएँ।

इकाई दो - ध्वनि विज्ञान: **(15 Lectures)**

1. ध्वनि का स्वरूप।
2. ध्वनियों का वर्गीकरण।
3. ध्वनि परिवर्तन के कारण।

इकाई तीन - रूप विज्ञान एवं वाक्य विज्ञान। **(15 Lectures)**

1. रूप विज्ञान: स्वरूप।
2. अर्थतत्व एवं संबंध तत्व।
3. रूप परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
4. वाक्य विज्ञान: वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप।
5. वाक्य के भेद।

इकाई चार- **(15 Lectures)**

1. अर्थ विज्ञान: स्वरूप।
2. अर्थ बोध के साधन।
3. अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. भोलानाथ तिवारी, *'भाषाविज्ञान'*,किताबमहल इलाहाबाद, 1991
2. डॉ. हनुमंतराव पाटील, *'भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा',* विद्या प्रकाशन, गुजैनी, कानपुर, 2009
3. डॉ. राजमणि शर्मा, *'आधुनिक भाषाविज्ञान',* महाशक्ति साहित्य मंदिर, वाराणसी, 1983
4. डॉ. भोलानाथ तिवारी, *'शब्द विज्ञान',* शब्दकार, तुर्कमार गेट, दिल्ली, 1982
5. डॉ. जितेंद्र वत्स, डॉ.देवेंद्र प्रसाद सिंह, *'भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा',* निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली,2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

भाषाविज्ञान

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक : 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester - VI)

Elective Course

Course Title: हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण

Course Code: HIN-VI.E-15

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की जानकारी देना। भाषा परिवर्तन के कारणों का पता लगाना। देवनागरी लिपि से परिचित कराना एवं उसकी वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालना और साथ ही विद्यार्थियों को हिन्दी व्याकरण से अवगत कराना।

Course Outcome

1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे।

2) देवनागरी लिपि का स्वरूप, नामकरण, विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा।

3) हिन्दी की वर्ण-रचना,विकारी एवं अविकारी शब्दों से का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।

4) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया के रूपान्तरण से अवगत होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. भाषा : प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्यभाषा।
2. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. लिपि- देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास।
2. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।
3. देवनागरी लिपि का मानकीकरण

इकाई तीन- **(15 Lectures)**

1. व्याकरण: वर्ण विचार- स्वर, व्यंजन।
2. शब्दसाधन- विकारी एवं अविकारी शब्दों का सामान्य परिचय।

इकाई चार - **(15 Lectures)**

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया का रूपान्तरण ।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. ब्रज किशोर प्रसाद सिंह, *'हिन्दी व्याकरण',* नमन प्रकाशन, दरियागंज,दिल्ली, 2009
2. कामताप्रसाद गुरु, *'हिन्दी व्याकरण',* हिन्दी-मराठी प्रकाशन, नागपुर, 2011
3. डॉ. हरदेव बाहरी, *'व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1997
4. श्री शरण, *'हिन्दी-अशुद्धियाँ संदर्भ शोधन',* प्रेम प्रकाशन मंदिर, दिल्ली, 1997
5. डॉ. विजय लक्ष्मण वर्धे, अत्यावश्यक हिन्दी व्याकरण, फडके बुकसेलर्स, कोल्हापुर, 1993

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी भाषा, लिपि एवं व्याकरण

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/ Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरीप्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester - VI)

Elective Course

Course Title: साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन
Course Code: HIN-VI.E-16
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को साहित्य तथा साहित्येतर विद्या शाखाओं की जानकारी देना। उनके अंत:संबंध का ज्ञान प्राप्त कराना। साथ ही साहित्येतर विद्या शाखाओं का हिन्दी साहित्य पर प्रभाव बताना।

Course Outcome:

1) साहित्य तथा साहित्येतर ज्ञान की अन्य शाखाओं को समझ समझेंगे।

2) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे।

3) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे।

4) अन्य साहित्य का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव तथा साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन करने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. साहित्य एवं अन्य विद्या शाखाओं का संबंध।
2. साहित्य एवं इतिहास।
3. साहित्य एवं दर्शन।
4. साहित्य एवं मनोविज्ञान।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन - लिंग, वर्ण, वर्ग एवं संप्रदाय।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

व्यावहारिक अध्ययन के लिए निर्धारित कृति ग्लोबल गाँव का देवता- रणेन्द्र

इकाई चार - **(15 Lectures)**

निर्धारित कृति का तात्विक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. राधाकृष्णन, '*भारतीय दर्शन-भाग एक'*, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2012
2. डॉ. राधाकृष्णन, *'भारतीय दर्शन भाग दो'*, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2013
3. श्रीनलिन विलोचन शर्मा, *'साहित्य का इतिहास-दर्शन'*, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना. 1959
4. डॉ. सुरिंदरकौर गौड़, *'सौंदर्यशास्त्र'* अभय प्रकाशन, कानपुर, 2015
5. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, *'हिन्दी साहित्य कोश, भाग-1'*, ज्ञान मंडल, लिमिटेड, वाराणसी, 2007

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न(2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester - III)

Skill Enhancement Course

Course Title: हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)

Course Code: HIN-II. SEC-1

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पथनाट्य लेखन हेतु प्रवृत्त करना।

2) पथनाट्य के माध्यम से विद्यार्थियों के अभिनय कौशल को विकसित करना।

3) विदयार्थी पथनाट्य को प्रस्तुत करने का तंत्र समझेंगे।

Course Outcomes :

1) पथनाट्य की अवधारणा और स्वरूप के साथ तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा।

2) प्रमुख नुक्कड़ नाटकों की प्रासंगिकता से अवगत होंगे।

3) पथनाट्य प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे।

4) अभिनय के साथ-साथ अन्य कौशलों का भी विकास होगा।

5) पथनाट्य लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक: (15 Lectures)

1. पथनाट्य की अवधारणा एवं स्वरूप।

2. पथनाट्य का विकास।

3. पथनाट्य के तत्व एवं सरोकार

इकाई दो: (15 Lectures)

1. गिरगिट - रमेश उपाध्याय
2. जनता पागल हो गई है - शिवराम।

इकाई तीन: (15 Lectures)

1. सबसे सस्ता गोश्त- असगर वजाहत।
2. देखो, वोट बटोरे अन्धा-असगर वजाहत।

इकाई चार: (15 Lectures)

उपर्युक्त नाटकों का तात्विक विवेचन।

(व्यावहारिक कार्य: पथनाट्य : प्राथमिक लेखन, प्रकट वाचन, समूह चर्चा, पुनर्लेखन पथनाट्य: समूह में प्रस्तुतीकरण एवं मूल्यांकन।)

संदर्भ ग्रंथ-

1. कुसुम त्रिपाठी, 'नुक्कड़ नाटक कैसे खेले', आह्वान नाट्य मंच प्रकाशन,बम्बई 1995
2. निदेशालय,प्रौढ़ शिक्षा,नुक्कड़ भाग- 1,2 जामनगर हाऊस, हटमेंटस,नई दिल्ली 1995
3. सं. अखिलेश कुमार मिश्र,*'अंधेर-नगरी, भारत दुर्दशा'*,प्रयाग प्रकाशन,इलाहाबाद,1985
4. हिंदी रंगकर्म : दशा और दिशा, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली,1988
5. चन्द्रेश, 'नुक्कड़ नाटक', राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली,1983
6. असगर वजाहत, 'सबसे सस्ता गोश्त',राजपाल एंड सन्स,कश्मीरी गेट,दिल्ली,2015

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक :60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा(MCQ/ Written Test) (20)
3. पथनाट्य प्रस्तुतीकरण (street play Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक:40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester -IV)

Course Title: हिन्दी एकांकी

Course Code: HIN-IV. SEC-2

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

13.विद्यार्थियों को एकांकी का परिचय कराना।

14.विद्यार्थी एकांकी की आवश्यकता को समझ सकें।

15.इसके माध्यम से विदयार्थी एकांकी को प्रस्तुत करने का तंत्र समझेंगे।

Course Outcomes:

1) एकांकी के विकास और रंगमंचीयता से परिचित होंगे।

2) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त होगा।

3) विद्यार्थी अभिनय,एवं संवाद कला में निपुण होंगे।

4) विद्यार्थी एकांकी प्रस्तुतीकरण में दक्षता प्राप्त करेंगे।

5) एकांकी का गहन अध्ययन करके एकांकी लेखनकला से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. एकांकी: अवधारणा, स्वरूप एवं विकास।

2. एकांकी के तत्त्व।

3. रंगमंचीयता एवं उसका विकास।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. भोर का तारा- जगदीश चंद्र माथुर।(पाठ विवेचन)
2. धीरे बहो गंगा-लक्ष्मी नारायण लाल।(पाठ विवेचन)

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. आवाज नीलाम - धर्मवीर भारती (पाठ विवेचन)

2. जुलूस- कणाद ऋषि भटनागर (पाठ विवेचन)

इकाई चार - निर्धारित रचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन **(15 Lectures)**

1. अभिनेयता
2. रंगमंचीयता
3. संवाद योजना
4. निर्देश

संदर्भ ग्रंथ-

1. गिरीश रस्तोगी,हिन्दी नाटक और रंगमंच की नई दिशाएँ,ग्रंथम प्रकाशन,कानपुर,1966
2. दशरथ ओझा,*हिन्दी नाटक: उद्भव और विकास*, दिल्ली राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली,2003
3. डॉ.पशुपतिनाथ उपाध्याय, *'हिन्दी नाटक एवं रंगमंच ',* जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009
4. नेमिचन्द्र जैन, *'रंगदर्शन',* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
5. डॉ. रामशरण महेंद्र,'*एकांकी और एकांकीकार*, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली,2001
6. सं.अखिलेश कुमार मिश्र,*'अंधेर-नगरी, भारत दुर्दशा'*,प्रयाग प्रकाशन,इलाहाबाद,1985
7. डॉ. सुरेन्द्र यादव, 'एकांकी और एकांकी',राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,2001

****

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी एकांकी

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

3	कार्य परियोजना/एकांकी लेखन (Assignment)	(20)
4	बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा(MCQ/ Written Test)	(20)
5	एकांकी /प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/PptPresentation)	(20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1	लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2)	(10)
प्रश्न 2	लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2)	(10)
प्रश्न 3	दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1)	(10)
प्रश्न 4	संदर्भ सहित व्याख्या	(10)

****

ANNEXURE A

(Summary of changes incorporated in the syllabus)

B.A. DEGREE COURSE IN HINDI

Semester	Course Title	Existing (Indicate only the unit where the change is proposed)	Changes Proposed	Specify the reason for the change
I	हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन	इकाई एक इकाई तीन	1) प्रेमचंद की 'दो बैलों की कथा' कहानी **2)** सुदर्शन की 'हार की जीत' कहानी	पाठ्यक्रम में परिवर्तन लाने के लिए नई कहानियों को जोड़ा गया।
III	हिन्दी महिला लेखन	इकाई दो	उषा किरण खान की 'नीलकंठ' कहानी	पाठ्यक्रम में परिवर्तन लाने के लिए नई कहानी को जोड़ा गया।
V	विशेष अध्ययन: हिन्दी उपन्यास	इकाई दो	भैरवप्रसाद गुप्त का 'गंगा मैया' उपन्यास	पाठ्यक्रम में परिवर्तन लाने के लिए नये उपन्यास को जोड़ा गया।
Sem I , II, III, IV, V, VI			5 CLO'S की संख्या को कम कर 4 CLO'S बना दिए गए।	
			पाठ्यक्रम में अतिरिक्त संदर्भ सूची को जोड़ा गया।	
			एकेडमिक ऑडिट	

			के अंतर्गत बी. ओ.एस के वी. सी नॉमिनी तथा ए. सी नोमिनी को सम्मिलित करने का निर्णय लिया गया।	